mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-114 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
26 अप्रैल 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक लाहिड़ी ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लाहिड़ी से मुलाकात की तस्वीर साझा कर बधाई देते हुए कहा कि अर्थशास्त्र और सार्वजनिक नीति में उनका व्यापक अनुभव भारत के सुधारों की दिशा और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को मजबूत करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि लाहिड़ी के प्रयास देश में नीति-निर्माण को और अधिक गतिशील बनाएंगे। सरकारी अधिसूचना के अनुसार वरिष्ठ अर्थशास्त्री लाहिड़ी को शुक्रवार को नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आयोग की नई पूर्णकालिक टीम की भी घोषणा की गई है। नई टीम में राजीव गौबा, प्रो. केवी राजू, प्रो. गोबर्धन दास, प्रो. अभय करंदीकर और डॉ. एम. श्रीनिवास को पूर्णकालिक सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री ने सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नीति आयोग भारत की नीति-निर्माण संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है, जो सहकारी संघवाद, सुधारों और 'ईज ऑफ लिविंग' को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस बीच प्रो. गोबर्धन दास ने सोशल मीडिया पर अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए इसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि एक साधारण किसान परिवार से आने के बावजूद उन्हें देश की सेवा का अवसर मिला है, जो उनके लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके योगदान की सराहना की और कहा कि पब्लिक हेल्थ, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में उनका कार्य देश के लिए प्रेरणादायक है।

'लालू की पाठशाला' इतनी ही मजबूत होती, तो उनके करीबी नेता भाजपा में क्यों आते : गिरिराज सिंह

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव के 'लालू की पाठशाला' वाले बयान का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि यदि 'लालू की पाठशाला' इतनी ही मजबूत और प्रभावी होती, तो उनके करीबी नेता वहां से निकलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन क्यों थामते। शनिवार को बेगूसराय पहुंचे गिरिराज सिंह ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में परिवारवाद अपने चरम पर है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष के कारण कई नेताओं को अलग रास्ता चुनना पड़ा और उन्होंने भाजपा का रुख किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा एक व्यापक विचारधारा वाली पार्टी है, जिसे उन्होंने 'गंगा और समुद्र' की संज्ञा दी। उनके अनुसार, भाजपा में शामिल होने वाले नेता किसी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी इच्छा, विश्वास और विचारधारा के कारण पार्टी का हिस्सा बनते हैं। गिरिराज सिंह ने उदाहरण देते हुए कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आज पार्टी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और भाजपा की विचारधारा को मजबूत कर रहे हैं। कर्नाटक की राजनीति पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने दावा किया कि जैसे पश्चिम बंगाल में राजनीतिक परिवर्तन की स्थिति बन रही है, वैसे ही कर्नाटक में भी कांग्रेस सरकार का भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वहां भी बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है।

एक्स मुस्लिम सलीम गिरफ्तार, अपहरण और हत्या के मामले में हुई थी सजा, खुद को कर चुका था मृत घोषित

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एआरएससी टीम ने थाना लोनी क्षेत्र से एक्स मुस्लिम सलीम वास्तिक को गिरफ्तार किया है। इसी साल 27 फरवरी को लोनी में उस पर जानलेवा हमला भी हुआ था। सलीम वर्ष 1995 में 13 साल के छात्र संदीप बंसल के अपहरण और उसकी हत्या के मामले में वांटेड था। कोर्ट ने सलीम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। इसके बाद वो अंतरिम जमानत पर बाहर आया था। जमानत पर बाहर आने के बाद से वो फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार 20 जनवरी, 1995 को संदीप बंसल सुबह करीब 11:30 बजे घर से स्कूल के लिए निकला था। उसकी स्कूल की दूसरी पाली दोपहर 12:30 से शाम 6:30 बजे तक थी। शाम 7:30 बजे तक घर नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। अगले दिन 21 जनवरी को करीब 12:10 बजे उसके पिता के पास फोन आया, जिसमें बताया गया कि बच्चा उनके कब्जे में है। उसी दिन 3:00 बजे फिर कॉल आई और 30,000 रुपये की फिरौती मांगी गई। आरोपित ने रकम लोनी फ्लाईओवर के पास बस स्टैंड पर शाम 4:30 बजे बागपत जाने वाली बस में रखने को कहा और पुलिस को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी दी।

चूहे खा गए रिश्वत के पैसे: सुप्रीम कोर्ट भी हैरान, भ्रष्टाचार के मामले में दोषी महिला को दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। अदालतों में अक्सर अजीबोगरीब दलीलें सामने आती हैं, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के सामने एक ऐसा मामला आया जिसने जजों को भी हैरान कर दिया। यह मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा है, जहां मुख्य साक्ष्य यानी रिश्वत की रकम के बारे में दावा किया गया कि उसे चूहों ने कुतर डाला। खबर है कि अब शीर्ष अदालत ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराई गई एक महिला को जमानत दे दी है।

क्या है पूरा मामला? यह पूरा मामला बिहार से जुड़ा है। दरअसल, चाइल्ड डेवलपमेंट प्रोग्राम ऑफिसर के पद पर कार्यरत अरुणा कुमारी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत रिश्वत लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। उन पर 10 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। पटना उच्च न्यायालय ने महिला को सजा सुनाई थी। हालांकि, जब मामला देश की सबसे बड़ी अदालत में पहुंचा, तो वहां साक्ष्यों के रखरखाव को लेकर राज्य पुलिस की एक बड़ी लापरवाही सामने आई।

इस दौरान सुप्रीम कोर्ट में बताया गया कि जो नोट रिश्वत के तौर पर जब्त किए गए थे, उन्हें पुलिस के मालखाने में रखा गया था। लेकिन जब इन नोटों को अदालत में पेश करने की बारी आई, तो पता चला कि उन्हें चूहों ने पूरी तरह से कुतर दिया है। यानी, अपराध को साबित करने वाला सबसे अहम सबूत अब अस्तित्व में नहीं था।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने इस दलील पर न केवल आश्चर्य जताया बल्कि कड़ी नाराजगी भी व्यक्त की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि साक्ष्यों का इस तरह गायब होना कानून व्यवस्था और राज्य के राजस्व के लिए एक बड़ा नुकसान है। पीठ ने सवाल उठाया कि आखिर पुलिस कस्टडी में रखे गए महत्वपूर्ण साक्ष्य सुरक्षित क्यों नहीं थे? अदालत ने कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है जहां चूहों द्वारा साक्ष्य नष्ट किए जाने की बात कही गई हो। इससे पहले भी कई मामलों में नशीले पदार्थों और नकदी के बारे में इसी तरह के बहाने बनाए गए हैं, जो व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं।

न्यायालय का फैसला

महिला के वकील ने तर्क दिया कि मुख्य साक्ष्य के अभाव में सजा को बरकरार रखना न्यायसंगत नहीं है, खासकर जब अपील लंबित हो। सुप्रीम कोर्ट ने तथ्यों और परिस्थितियों पर गौर करते हुए महिला की सजा को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया और उसे जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि जब तक मामले की अंतिम सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक दोषी को जेल में रखना आवश्यक नहीं है।

भागवत बोले: भारत विश्वगुरु जरूर बनेगा, कोई संदेह नहीं

राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे, वैसे ही यह लक्ष्य भी अब तय है

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे। लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे। ऋस्स चीफ ने कहा- देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीएं।

पश्चिमी चश्मे को उतार फेंकने की जरूरत

डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने दैनिक जीवन में उतारना शुरू करना होगा।

उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

पश्चिमी सोच को त्यागकर भारतीय परंपराओं से जुड़ें

आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

परफ्यूम की बोतल के कारण भड़की आग, 4 जिंदा जले

नीमराना के अवैध कबाड़ गोदाम में धमाके

नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़), एजेंसी। राजस्थान के नीमराना (कोटपूतली-बहरोड़) में अवैध कबाड़ गोदाम में आग लगने से 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें दो नाबालिग भी हैं। हादसे में एक महिला गंभीर रूप से झुलसी है।

दो लोगों के बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। दावा किया जा रहा है कि हादसा परफ्यूम की बोतल से निकले केमिकल में आग लगने से हुआ। गोदाम में रखे केमिकल ड्रमों में भी ब्लास्ट हुए। घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है।

कबाड़ भरने आए ड्राइवर ने जलाई थी बीड़ी : पुलिस के अनुसार गोदाम कृषि भूमि पर बना हुआ है। जिसे कबाड़ का काम करने वाले करण सिंह पुत्र मामन सिंह कोलीला ने किराये पर ले रखा था। शुक्रवार शाम को मजदूर कबाड़ में मिली कुछ परफ्यूम की बोतलें तोड़ रहे थे।

मजदूरों पर टीनशेड के पिलर पिघल कर गिर गए

हादसे के वक्त करीब 7 महिला, पुरुष और उनके बच्चे मौजूद थे। कबाड़ में आग फैलते ही सब इधर-उधर भागने लगे। इनमें दो नाबालिग और एक महिला गोदाम के पिछले हिस्से में छुप गए। उस हिस्से में कबाड़ नहीं था। उन्होंने सोचा यहां लपटें नहीं पहुंचेंगी, लेकिन भीषण आग से टीनशेड के पिलर पिघलकर उन पर गिर गए। नीचे प्लास्टिक वेस्ट धधकने लगा। इस कारण वो वहीं फंस गए। हादसे में नीमराना निवासी दशरथ (28) पुत्र जगदीश, हरियाणा के नारनौल निवासी रविदत यादव (58) पुत्र पूर्ण सिंह, उत्तर प्रदेश के लखीमपुर निवासी कविता (17) पुत्री रूपनलाल और आरूषी (7) पुत्री संतराम की मौत हो गई।

इसमें से स्पिरिट जैसा ज्वलनशील केमिकल निकल रहा था। इसी दौरान वहां कबाड़ लोड करने आए एक पिकअप गाड़ी के ड्राइवर ने बीड़ी जलाकर जलती तीली फेंक दी। जिससे केमिकल ने आग पकड़ ली।

मणिपुर में नागा-कुकी झड़पों में 3 की मौत, दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगा रहे हमले के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार तड़के नागा और कुकी-जो समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच लोग घायल हुए। मरने वालों में एक तांगखुल नागा और दो कुकी-जो समुदाय के व्यक्ति शामिल हैं। दोनों समुदाय एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। सिनाकेइथेई गांव के पास तांगखुल नागा लॉन्ग (टीएनएल) के अनुसार, 29 वर्षीय होर्शोकमी जमंग नामक नागा ग्राम रक्षक को सशस्त्र कुकी उग्रवादियों ने घात लगाकर मार डाला। जमंग सिनाकेइथेई गांव के पास गश्त पर थे। इस घटना में चार अन्य नागा स्वयंसेवक भी गंभीर रूप से घायल हुए। सुरक्षा बलों ने दो कुकी-जो युवकों के शव बरामद किए। मृतकों की पहचान पाओमिनलुन हाओलाई (19 वर्ष) और लेटलाल सिटलहो (43 वर्ष) के रूप में हुई। कुकी संगठनों ने दावा किया कि तांगखुल नागा उग्रवादियों ने मुस्लिम और शोंगफाल गांवों पर तड़के करीब 5:30 बजे हमला किया, जिसमें दो स्वयंसेवक मारे गए।

राहुल बोले- ममता बंगाल में भाजपा का रास्ता खोल रहीं

हिमंता ने कहा- असम में सेंचुरी, बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे; ईसी ने 5 अफसर सस्पेंड किए

कोलकाता, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के हुगली में रैली की। उन्होंने कहा- मोदी ने अमेरिका को हमारे देश का कृषि सेक्टर बेच दिया। कांग्रेस के दौर में बंगाल में उद्योग थे। जो काम मोदी देश में कर रहे हैं वही ममता बंगाल में कर रही हैं।उन्होंने कहा कि मोदी बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, पर उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कंट्रोल करते हैं। आप जानते हो कि देश में जहां भी नरेंद्र मोदी जाते हैं, वो सिर्फ नफरत फैलाते हैं। कुछ साल पहले कांग्रेस ने देशभर में भारत जोड़ो यात्रा की। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने आज कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि इस बार हम असम में सेंचुरी और बंगाल में डबल सेंचुरी बनाएंगे। मैं भरोसे से कह सकता हूं कि बंगाल में पहले चरण में ही भाजपा 110 सीटें जीत चुकी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से आने वालों के कारण अगले दो दशकों में असम और बंगाल में हिंदू अपना बहुमत का दर्जा खो देंगे। ऋस्ट नेता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी को पहले फेज की 152 सीटों में से 125 से 135 सीटें मिलेंगी। ममता बनर्जी के नेतृत्व में सरकार बनेगी।इधर, चुनाव आयोग ने लापरवाही बरतने और निष्पक्षता नहीं रखने पर पांच अफसरों को सस्पेंड कर दिया है।

राहुल बोले- देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई

लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीरामपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा किबंगाल में चुनाव आ रहा है और देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी संविधान, एकता और भाईचारा है, दूसरी तरफ भाजपा, ऋस्स, नफरत, हिंसा और अहंकार है।

मोदी जो देश में करता हैं वो ममता देश में करती हैं : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में कहा कि मोदी जो पूरे देश में करते हैं वही ममता बंगाल में करती हैं। उन्होंने कहा कि ये दोनों मिले हुए हैं।

शाह बोले- सब जानते हैं 4 शादियां कौन करता है

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में जनसभा के दौरान अमित शाह ने कहा कि बंगाल की जनता जानती है कि 4 शादियां कौन करते हैं। 4 मई को हमारी सरकार बनेगी और इसके बाद हम UCC लाएंगे। फिर कोई भी 4 शादियां नहीं कर पाएगा।

हम बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे। उन्होंने कहा कि हम सभी बहनों को सरकारी बस में फ्री यात्रा देंगे।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में 33% महिलाएं होंगी, संसदीय बोर्ड से सचिव स्तर तक फॉर्मूला लागू

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 100 से ज्यादा महिलाओं को जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में अब 33% महिला पदाधिकारी शामिल होंगी। यह फॉर्मूला संसदीय बोर्ड से लेकर सचिव स्तर तक लागू होगा। राज्यों में भी यही व्यवस्था अपनाई जाएगी। संगठन महासचिव की निगरानी में इसे लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। संसद में नारी वंदन विधेयक पास न होने के बाद भाजपा ने अन्य दलों को महिला विरोधी बताने का रुख अपनाया है। ऐसे में संगठन के भीतर महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी माना जा रहा है।

फिलहाल संसदीय बोर्ड में सिर्फ एक महिला सदस्य है। महासचिव स्तर पर कोई महिला नहीं है, जबकि उपाध्यक्ष और सचिव पदों पर भी संख्या कम है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महिलाओं की हिस्सेदारी 10% से भी कम है।

सुषमा स्वराज की अध्यक्षता में समिति बनी थी : 2007 में भाजपा अध्यक्ष रहते हुए राजनाथ सिंह ने संगठन में 33% महिलाओं को जगह देने के लिए सुषमा स्वराज की अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। तब यह सवाल उठा था कि 33% हिस्सेदारी पदों के हिसाब से दी जाए या कुल पदाधिकारियों में महिलाओं की संख्या 33% रखी जाए।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 100 से ज्यादा महिलाएं होंगी

तय फॉर्मूले के मुताबिक, 12 सदस्यीय संसदीय बोर्ड में 4 महिलाएं होंगी। 7 महासचिव पदों में से 2, 12 उपाध्यक्ष पदों में से 4 और 11 राष्ट्रीय सचिव पदों में से 3 महिलाओं को दिए जाएंगे। पार्टी के एक सीनियर नेता के मुताबिक, इस बार राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 100 से ज्यादा महिलाओं को जगह मिलेगी। फिलहाल इसमें कुल 396 सदस्य हैं।

बीजेपी विधायक ललन कुमार ने थामा आरजेडी का दामन

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान से ठीक पहले, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को एक बड़ा झटका लगा है। भागलपुर जिले की पीरपैंती विधानसभा सीट से निवर्तमान विधायक ललन कुमार ने बीजेपी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। ललन कुमार ने बुधवार को ललन कुमार ने आधिकारिक तौर पर आरजेडी का दामन थाम लिया। उन्हें राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से भी मुलाकात की। ललन कुमार की इस दल-बदल का मुख्य कारण यह माना जा रहा है कि इस बार बीजेपी ने उन्हें पीरपैंती (सुरक्षित) सीट से टिकट नहीं दिया। बीजेपी ने उनके स्थान पर मुरारी पासवान को उम्मीदवार बनाया है। आरजेडी में शामिल होने से पहले, ललन कुमार ने बीजेपी को अपना इस्तीफा भेजा था। अपने इस्तीफे में उन्होंने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की। ललन कुमार ने कहा-मेरी भाजपा के साथ राजनीतिक यात्रा अब समाप्त होती है... लेकिन अब लगता है कि भाजपा को मुखर दलित नेतृत्व की आवश्यकता नहीं रही।

यूपी के मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा, 6 की मौत

कार्तिक स्नान के लिए गंगा घाट जा रही महिलाएं ट्रेन से कटीं

मिर्जापुर/चुनार, (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार को कालका एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दो बहनें हैं। हादसा सुबह 9:30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ। चोपन से पैसेंजर ट्रेन चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंची थी। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म पर न उतरकर दूसरी तरफ ट्रैक पर उतर गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर कालका एक्सप्रेस आ रही थी। अचानक ट्रेन आते ही यात्री घबरा गए। पुरुष तेजी से प्लेटफॉर्म पर चढ़ गए, जबकि महिलाएं नहीं चढ़ पाईं और ट्रेन की चपेट में आ गईं। उनके शवों के टुकड़े करीब 50 मीटर तक ट्रैक पर बिखर गए। शवों को बैग में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रेलवे अफसरों ने बताया कि कालका एक्सप्रेस का चुनार में स्टॉपेज नहीं है, इसलिए ट्रेन की स्पीड तेज थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के कारण स्टेशन पर भारी भीड़ थी। हादसा इतनी तेजी से हुआ कि किसी को समझने का मौका ही नहीं मिला। जब ट्रेन गुजर गई, तब ट्रैक पर लाशें बिखरी नजर आईं। कार्तिक पूर्णिमा के चलते स्टेशन पर भीड़ थी, इसके बावजूद प्लेटफॉर्म से ट्रेन को धीमी गति में नहीं गुजारा गया। गंगा घाट रेलवे स्टेशन से सिर्फ 2ङ्क3 किमी दूर है। मरने वालों में 5 महिलाएं मिर्जापुर की और एक सोनभद्र की रहने वाली थीं। इनकी पहचान सविता (28), साधना (15), शिवकुमारी (17), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और सोनभद्र निवासी कलावती देवी (50) के रूप में हुई है। मिर्जापुर के राजगढ़ थाने के खमरिया गांव से 15 से ज्यादा श्रद्धालु चुनार में गंगा स्नान के लिए निकले थे। सभी ने सुबह ट्रेन पकड़ी थी। सुबह 10 बजे गांव वालों को हादसे की जानकारी मिली।

रिफाइनरी में आग, 'साइबर अटैक' की आशंका

● ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स हाईजैक तो नहीं हुए होगी जांच ● आसपास रहने वालों का पुलिस ने शुरू किया वेरिफिकेशन

बाड़मेर, एजेंसी। देश की सबसे आधुनिक और हाईटेक बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को लगी आग के बाद सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हैं। इस हादसे को साइबर अटैक से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जांच एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच को आगे बढ़ा रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि हादसे के वक्त रिफाइनरी के ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स को बाहर से हाईजैक कर लिया गया होगा। सुरक्षा एजेंसियां अब रिफाइनरी के डिजिटल लॉग्स और डेटा को खंगाल रही हैं। एक्सपट्?र्स यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या किसी बाहरी आईपी एड्रेस ने सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश तो नहीं की थी। उधर, आसपास के इलाके में रहने वाले लोगों का पुलिस वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है।

पास वाली दुकानें हट सकती हैं, सुरक्षा घेरा बढ़ा : हादसे के बाद सुरक्षा एजेंसियां और बालोतरा पुलिस पूरी तरह एक्टिव मोड में है। सूत्रों के मुताबिक, रिफाइनरी के 1 किलोमीटर के दायरे में आने वाली दुकानों और कमर्शियल संस्थानों को सुरक्षा कारणों से हटाया जा सकता है।

पीएम की सभा के लिए बने डोम को एजेंसियों ने घेरे में लिया

रिफाइनरी में आग पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक 20 घंटे पहले लगी थी। पीएम 21 अप्रैल को इसका उद्घाटन करने वाले थे। सभा के लिए बनाए गए 3 विशाल डोम को हटाने का काम सुरक्षा एजेंसियों ने रुकवा दिया है। माना जा रहा है कि एजेंसियां इन डोम के आसपास से फॉरेंसिक सबूत जुटाना चाहती हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आग तकनीकी खामी थी या कोई सोची-समझी साजिश। जिस क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी, उसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स के पास है। फिलहाल शुरुआती अनुमान तकनीकी खराबी या लीकेज का है, लेकिन एजेंसियां अब कॉन्ट्रैक्टर कंपनियों, साइट इंजीनियरों और प्रबंधन से पूछताछ कर रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 21 अप्रैल को मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास के साथ रिफाइनरी का दौरा कर HPCL के अधिकारियों से हादसे की पूरी जानकारी ली थी। प्रधानमंत्री का दौरा स्थगित हुआ था बाड़मेर के नजदीक बालोतरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड (HPCL) की रिफाइनरी में 20 अप्रैल की दोपहर 2 बजे भीषण आग लग गई थी।

PNG-CNG उपभोक्ताओं को 100% गैस सप्लाई घरेलू मांग पूरी करने में जुटी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सरकार ने देश में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति 100 प्रतिशत और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए लगभग 80 प्रतिशत की जा रही है। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू पीएनजी कनेक्शनों के लिए 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, परिवहन क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली सीएनजी की मांग को भी पूरी तरह पूरा किया जा रहा है।उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने हर स्तर पर जनता को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण हमारे आयात प्रभावित हुए हैं। हालांकि, भारत सरकार घरेलू आपूर्ति को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।एलपीजी के लिए आनलाइन बुकिंग करें, होम डिलीवरी उपलब्ध एलपीजी के संबंध में सुजाता शर्मा ने दोहराया कि घरेलू आपूर्ति सुचारू रूप से चल रही है और किसी भी वितरक के पास स्टाक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि कुछ अफवाहों के कारण कुछ वितरकों के यहां घबराहट में खरीदारी देखी गई है। उन्होंने उपभोक्ताओं से वितरकों के शोरूम में व्यक्तिगत रूप से जाने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आनलाइन बुकिंग का विकल्प चुनें, क्योंकि होम डिलीवरी उपलब्ध है। सरकार ने व्यावसायिक क्षेत्र में आपूर्ति भी बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक एलपीजी आपूर्ति 70 प्रतिशत तक बहाल कर दी गई है। अप्रैल महीने में अब तक 1,47,000 टन से अधिक व्यावसायिक एलपीजी बेची जा चुकी है।पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी पर्याप्त सुजाता शर्मा ने कहा कि देशभर में ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति भी पर्याप्त है। किसी भी पेट्रोल पंप पर कमी की कोई सूचना नहीं मिली है। हालांकि, उन्होंने अफवाहों के कारण कुछ क्षेत्रों में हो रही घबराहट में खरीदारी की आशंका भी जताई। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल का भंडार पर्याप्त है और हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। उद्योगों को किसी भी प्रकार की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए कोयला और केरोसिन जैसे अतिरिक्त ईंधनों की आपूर्ति बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई है, इसलिए लोगों से अनुरोध है कि वे घबराकर खरीदारी न करें।एक माह में 81 हजार से अधिक पांच किलो के एलपीजी सिलिंडर बेचे गए और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि देश भर में 81 हजार से अधिक पांच किलो एलपीजी सिलेंडर अप्रैल महीने में बेचे गए, जिससे कुल संख्या 17.83 लाख हो गई। पांच किलो के एलपीजी सिलिंडरों का उपयोग शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिक खाना पकाने के लिए करते हैं। इसके अलावा, 5.27 लाख पीएनजी कनेक्शनों का गैसीकरण किया गया है और अतिरिक्त 2.60 लाख कनेक्शनों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है, जिससे कुल कनेक्शनों की संख्या 7.87 लाख हो गई है। लगभग 5.97 लाख ग्राहकों ने नए कनेक्शनों के लिए पंजीकरण भी कराया है। 42 हजार से अधिक पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं।

अब नहीं लगेंगी लंबी कतारें, हटेंगे सभी टोल प्लाजा, NHAI लागू करेगा मल्टी लेन फ्री फ्लो टोलिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। टोल शुल्क के लिए फास्टैग की व्यवस्था कर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार को पहले ही काफी हद तक सीमित कर चुका है, लेकिन अभी भी टोल प्लाजा पर वाहनों के रुकने और शुल्क कटने की प्रक्रिया में जो कुछ मिनट का समय लगता है, अब उसे भी पूरी तरह खत्म करने की तैयारी है। केंद्र सरकार टोल बैरियर मुक्त जिन हाईवे की परिकल्पना पर काफी समय से काम कर रही थी, अब उसे अगले माह से लागू किया जा रहा है। यानी मई में गुजरात के सूरत में स्थित चौर्यासी से इसकी शुरुआत हो जाएगी, जहां कि टोल प्लाजा हटाया जा चुका है। एनएचएआई का लक्ष्य अगले तीन वर्ष के भीतर देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो टोलिंग लागू करने का है।टोल प्लाजा पर गाड़ियों की कतार हटाने के लिए सरकार उठा रही कदम केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लगातार इस दिशा में प्रयासरत है कि टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार न लगे। समय की बचत में फास्टैग ने कारगर भूमिका निभाई है। पिछले माह सरकार ने टोल प्लाजा पर नकद लेनदेन को भी पूरी तरह बंद कर दिया है।अब यदि तकनीकी कारणों से फास्टैग से टोल राशि नहीं कटती है तो भी किसी वाहन चालक से नकदी स्वीकार नहीं की जा रही। डिजिटल लेनदेन का यह प्रयास भी टोल प्लाजा पर रुकने का समय घटाने के लिए ही है। बावजूद अभी भी कुछ समय वाहनों के रुकने और फास्टैग से राशि कटने में लगता है। वहीं, यदि किसी वाहन का शुल्क फास्टैग से कटने में कोई तकनीकी खामी आए तो पीछे लगे वाहनों को प्रतीक्षा करनी पड़ती है।

नेशनल हाईवे से हट जाएंगे टोल प्लाजा : एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस व्यवस्था को खत्म करते हुए अब वह व्यवस्था लागू की जा रही है कि सारे राष्ट्रीय राजमार्गों से टोल प्लाजा हट जाएंगे। टोल बैरियर के स्थान पर गेंट्री होगी, जिस पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) और आरएफआईडी रीडर लगे होंगे। उनके माध्यम से फास्टैग और व्हीकल रजिस्ट्रेशन नंबर (वीआरएन) की स्कैनिंग बिना वाहन को रोके या गति कम किए ही हो जाएगी। इससे कहीं भी वाहनों की कतार नहीं लगेगी, मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि किसी फास्टैग में तकनीकी कमी होगी या उसमें पर्याप्त धनराशि नहीं होगी तो जिस तरह ई-चालान कटता है, उसी प्रक्रिया से ऐसे वाहनों से दोगुणा टोल शुल्क ई-चालान के माध्यम से वसूले जाने का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले मई में गुजरात के चौर्यासी से मल्टी लेन फ्री फ्लो टोलिंग शुरू हो रही है। उसके बाद हरियाणा में एनएच-44 स्थित घरौंदा टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी और अगले तीन वर्ष के अंदर देशभर में इस आधुनिक व्यवस्था को लागू करने का लक्ष्य है। शुल्क के लिए फास्टैग की व्यवस्था कर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार को पहले ही काफी हद तक सीमित कर चुका है, लेकिन अभी भी टोल प्लाजा पर वाहनों के रुकने और शुल्क कटने की प्रक्रिया में जो कुछ मिनट का समय लगता है, अब उसे भी पूरी तरह खत्म करने की तैयारी है। केंद्र सरकार टोल बैरियर मुक्त जिन हाईवे की परिकल्पना पर काफी समय से काम कर रही थी, अब उसे अगले माह से लागू किया जा रहा है। यानी मई में गुजरात के सूरत में स्थित चौर्यासी से इसकी शुरुआत हो जाएगी, जहां कि टोल प्लाजा हटाया जा चुका है। एनएचएआई का लक्ष्य अगले तीन वर्ष के भीतर देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो टोलिंग लागू करने का है।टोल प्लाजा पर गाड़ियों की कतार हटाने के लिए सरकार उठा रही कदम केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लगातार इस दिशा में प्रयासरत है।

नेशनल हाईवे से हट जाएंगे टोल प्लाजा : एनएचएआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस व्यवस्था को खत्म करते हुए अब वह व्यवस्था लागू की जा रही है कि सारे राष्ट्रीय राजमार्गों से टोल प्लाजा हट जाएंगे। टोल बैरियर के स्थान पर गेंट्री होगी, जिस पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) और आरएफआईडी रीडर लगे होंगे। उनके माध्यम से फास्टैग और व्हीकल रजिस्ट्रेशन नंबर (वीआरएन) की स्कैनिंग बिना वाहन को रोके या गति कम किए ही हो जाएगी। इससे कहीं भी वाहनों की कतार नहीं लगेगी, मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यदि किसी फास्टैग में तकनीकी कमी होगी या उसमें पर्याप्त धनराशि नहीं होगी तो जिस तरह ई-चालान कटता है, उसी प्रक्रिया से ऐसे वाहनों से दोगुणा टोल शुल्क ई-चालान के माध्यम से वसूले जाने का प्रस्ताव है।

साहिबाबाद में खाली प्लॉट पर कॉमर्शियल कनेक्शन देने वालों की खैर नहीं, जिम्मेदारों पर गाज गिरनी तय

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। कनावनी की झुग्गियों में बिजली आपूर्ति के लिए खाली प्लाट में लगाए गए कॉमर्शियल पोस्टपेड मीटर कमेटी की जांच में भी अवैध पाए गए हैं। अब विद्युत निगम के उच्चाधिकारियों ने उन अधिकारियों पर कार्रवाई करने के लिए कुंडली खंगालने की तैयारी कर ली है, जिन्होंने यहां खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दे दिए थे। इसके लिए जांच कमेटी को भी आदेश जारी कर दिए हैं। वहीं, खाली प्लाट में लगाए गए मीटरों की बिजली काट दी है। 23 अप्रैल को विद्युत निगम के अधिकारियों द्वारा खाली प्लाट में कॉमर्शियल कनेक्शन देने के मामले को प्राथमिकता से प्रकाशित किया था। मुख्यालय स्तर से खबर का संज्ञान लेते हुए मामले की जांच कराने के आदेश विद्युत निगम के स्थानीय अधिकारियों को दिए हैं।

इस पर अधीक्षण अभियंता अखिलेश सिंह ने कमेटी को आदेश देते हुए कहा कि कॉमर्शियल कनेक्शन देने के बिंदु को भी जांच में शामिल किया जाए। इसमें देखा जाए कि जब यहां कनेक्शन दिए गए थे किस पद पर कौन अधिकारी तैनात था। एक्सईएन, एसडीओ और जेई कौन थे। उनके नामों की सूची तैयार की जाए। यह भी देखा जाएगा कि कॉमर्शियल कनेक्शन देते समय यहां कौन सी व्यावसायिक गतिविधि संचालित दिखाई गई थी। क्या उस समय कोई व्यावसायिक गतिविधि संचालित थी या फिर फर्जी रिपोर्ट लगाकर ही कनेक्शन जारी कर दिए गए। इन सभी बिंदुओं की जांच करते हुए रिपोर्ट मांगी है।

नोटिस भेज लिया जाएगा स्पष्टीकरण: अधीक्षण अभियंता ने बताया कि जांच में जो भी अधिकारी कॉमर्शियल मीटर देने के लिए जिम्मेदार पाए जाएंगे उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिलने पर उन अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाएगी। उनका कहना है कि जो भी जिम्मेदार होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा। पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों तक बिजली पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

इंदिरापुरम स्थित कनावनी की 1500 से अधिक झुग्गियों में अवैध तरीके से बिजली बेचने का खेल किया जा रहा। इसके लिए विद्युत निगम के कुछ अधिकारियों ने फर्जी तरीके से खाली प्लाट में ही बिजली के कनेक्शन दे दिए, जो पूरी तरह से गलत है। साथ ही एलटी लाइन व ट्रांसफार्मर में सीधे तार लगाकर भी बिजली बेचने का अवैध खेल चलता पाया गया। मामले की जांच कमेटी कर रही है।

एक नजर में मामला समझें: कनावनी में कुल झुग्गी 1500हर माह अवैध तरीके से बेची जा रही बिजली 30 लाखनिगम को हर माच राजस्व का नुकसान पहुंचा रहे 36.75 लाख

इतने वर्ष से चल रहा अवैध वसूली का खेल 10: 'जिन अधिकारियों के कार्यकाल में खाली प्लॉट में कॉमर्शियल कनेक्शन दिए गए थे, उनकी सूची तैयार की जा रही है। उन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। साथ ही मुख्यालय को भी उनकी रिपोर्ट भेजी जाएगी।'

पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने लॉरेंस गैंग के सदस्य आरजू बिश्नोई को किया गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी । पंजाब की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) को एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। एजीटीएफ ने लॉरेंस गैंग के सदस्य आरजू बिश्नोई को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर आरजू के पास से एक .32 बोर की पिस्तौल और तीन कारतूस बरामद किए गए। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने एक्स पोस्ट पर यह जानकारी दी है। डीजीपी के अनुसार, आरोपी राजस्थान में एक हत्या के मामले में वांछित है, जिसकी गिरफ्तारी पर नगद इनाम घोषित किया गया है। आगे की जांच जारी है ताकि आपराधिक संबंधों की कड़ी स्थापित की जा सके। इसके पहले एजीटीएफ ने विदेशी गैंगस्टरों द्वारा संचालित एक गिरोह का भंडाफोड़ किया था। चार आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से

दो विदेशी .30-कैलिबर पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए गए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पटियाला के उगाना गांव के निवासी अरमान सिंह, पटियाला के नालास खुर्द गांव के निवासी चिराग, पटियाला के राजपुरा के नालास कलां गांव के निवासी रविंदर सिंह उर्फ राहुल और पटियाला के धामोली गांव के निवासी अक्षय उर्फ प्रिंस के रूप में हुई थी। डीजीपी ने बताया था कि आरोपियों में से एक जुलाई 2025 में अबोहर स्थित 'वेयर वेल' शोरूम के मालिक की हत्या में शामिल था। ऑपरेशनल जानकारी साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ) प्रमोद बान ने बताया था कि इस मॉड्यूल के चार सदस्यों की अंबाला-चंडीगढ़ राजमार्ग पर मोहाली की ओर आवाजाही की विश्वसनीय सूचना मिलते ही एजीटीएफ और मोहाली पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई और राजमार्ग पर विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकपॉइंट स्थापित किए गए। पुलिस टीम ने राजमार्ग पर जेनेटपुर लिंक रोड के पास संदिग्धों को पकड़ा और उनके पास से दो विदेशी पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस गैंगस्टर नेटवर्क को खत्म करने और पूरे पंजाब में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गुरुग्राम में तोड़फोड़ के मलबे के निस्तारण पर निगम की सख्ती, बसई प्लांट में जमा करने के निर्देश

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में चल रही तोड़फोड़ कार्रवाई के बीच निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडी वेस्ट) कचरे के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने सख्ती बढ़ा दी है। निगम आयुक्त की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी संबंधित विभाग और अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि तोड़फोड़ के दौरान निकलने वाला मलबा निर्धारित स्थान पर ही डाला जाए। इस संबंध में जिला नगर योजनाकार (एन्फोर्समेंट) को भी निर्देश भेजे गए हैं ताकि नियमों का पालन हर स्तर पर सुनिश्चित किया जा सके। पत्र में कहा गया है कि कचरा उत्पन्न करने वाले को इसे निर्धारित प्रोसेसिंग प्लांट या कलेक्शन सेंटर पर जमा कराना होगा। गुरुग्राम में इसके लिए निगम द्वारा बसई क्षेत्र में सीएंडडी वेस्ट प्रोसेसिंग सुविधा स्थापित की गई है, जहां मलबे का वैज्ञानिक तरीके से

निपटान किया जाता है। निगम अधिकारियों के अनुसार शहर में चल रही विभिन्न अवैध निर्माणों और अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्रवाई के चलते बड़ी मात्रा में मलबा निकल रहा है। ऐसे में यदि इसका समय पर और सही तरीके से निस्तारण नहीं हुआ तो यह न केवल शहर की स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करेगा बल्कि पर्यावरण के लिए भी खतरा बन सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने साफ निर्देश दिए हैं कि कचरे को बिना किसी देरी के बसई स्थित प्लांट तक पहुंचाया जाए और इसकी लगातार निगरानी भी की जाए।

नियमों की अनदेखी पर होगी कार्रवाई: आदेश में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि किसी स्तर पर नियमों की अनदेखी पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए यह कदम बेहद जरूरी है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

होर्मुज संकट से पनामा नहर बनी सोने की खान, एक फेरे की कीमत पहुंची 40 लाख डॉलर

पनामा सिटी, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बाद पनामा नहर से गुजरने के लिए कंपनियां 40 लाख डॉलर (करीब 33 करोड़ रुपये) तक चुका रही हैं, जिसे पनामा नहर प्राधिकरण वैश्विक व्यापार प्रवाह में बड़ा बदलाव बता रहा है। आमतौर पर तय दर पर आरक्षण होता है, लेकिन बिना बुकिंग वाली कंपनियां पनामा सिटी के तट पर कई दिनों तक इंतजार करने की बजाय अतिरिक्त शुल्क देकर स्लॉट की नीलामी में भाग लेती हैं, जहां ऊंची बोली लगाने वाले को मौका मिलता है।

पनामा नहर का रुख कर रहे जहाज: ईरान-अमेरिका तनाव बढ़ने से इन स्लॉट की मांग तेजी से बढ़ी है और जहाज पश्चिम एशिया के जोखिम भरे मार्ग से बचकर पनामा नहर का रुख कर रहे हैं। विश्लेषक रोड्रिगो नोरिएगा के अनुसार, बमबारी और ड्रोन हमलों के बीच कंपनियां पनामा नहर को ज्यादा सुरक्षित और किफायती मान रही हैं। एजेंसी

ईरान का पनामा के जहाज पर कब्जा: जहां एक ओर पनामा नहर से अधिक आमदनी हो रही है, वहीं दूसरी ओर भू-राजनीतिक तनाव ने पनामा को झटका भी दिया है। बुधवार को पनामा के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि ईरान ने होर्मुज में इतालवी कंपनी एमएससी फ्रांसेस्का के पनामा-ध्वज वाले एक जहाज को अवैध रूप से जब्त कर लिया। 4.25 लाख डॉलर की अतिरिक्त कीमत अब सामान्य पनामा नहर से गुजरने की औसत लागत जहाज के प्रकार के अनुसार 3-4 लाख डॉलर है।

यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने रूस के खिलाफ छेड़ा युद्ध, विदेश मंत्री सर्गेई ने यूरोप पर साधा निशाना

कीव, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लावरोव ने यह बयान रूसी गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया।

उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता। उनके मुताबिक, रूस के

खिलाफ यह संघर्ष अब केवल परोक्ष नहीं बल्कि खुला और संगठित अभियान बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि कुछ यूरोपीय सैन्य अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से रूस के खिलाफ युद्ध की तैयारी की बात कही है, जबकि यूक्रेन इस बीच पश्चिमी देशों के लिए समय जुटाने का माध्यम बना हुआ है। लावरोव ने कहा कि यूरोप की मौजूदा नीतियां वैश्विक अस्थिरता को बढ़ा रही हैं।

वैश्विक खतरा तीसरी बार यूरोप से पैदा हो रहा है: रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि आधुनिक इतिहास में तीसरी बार वैश्विक खतरा यूरोप से पैदा हो रहा है। उनका आरोप था कि पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन को बड़े संघर्ष का केंद्र बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

धार्मिक मुद्दों पर भी की आलोचना: धार्मिक मुद्दों पर भी लावरोव ने पश्चिम और यूक्रेन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च के खिलाफ कई वर्षों से कार्रवाई जारी है। चर्चों पर कब्जे, तोड़फोड़, पादरियों और श्रद्धालुओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वहां 180 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कई वरिष्ठ धर्मगुरु भी शामिल हैं।

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को दी सहायता पैकेज: इसी बीच यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो के बड़े सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी है। इस राशि में 30 अरब यूरो यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए और 60 अरब यूरो रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सैन्य उपकरण खरीदने के लिए खर्च किए जाएंगे।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि यूरोप यूक्रेन के समर्थन में पूरी तरह एकजुट है और पीछे नहीं हटेगा। साथ ही यूरोपीय परिषद ने रूस पर 20वें प्रतिबंध पैकेज को भी मंजूरी दी है, जिसका मकसद मॉस्को की आर्थिक और सैन्य क्षमता पर दबाव बढ़ाना है। अमेरिका पर भी लगाए गंभीर आरोप लावरोव ने अमेरिका पर भी गंभीर आरोप लगाए।

ईरान के विदेश मंत्री पहुंचे इस्लामाबाद, अमेरिकी दूतों के साथ करेंगे दूसरे दौर की शांति वार्ता

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शुक्रवार देर रात पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष को खत्म करने के उद्देश्य से अमेरिका के साथ दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। इस यात्रा से क्षेत्र में तनाव कम होने और शांति स्थापित होने की उम्मीदें फिर से जगी हैं। विदेश मंत्री अराघची के साथ एक छोटा प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई भी शामिल हैं। एक पाकिस्तानी अधिकारी के अनुसार, अराघची प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनीर से मुलाकात करेंगे। यह भी संभावना है कि वे अमेरिकी अधिकारियों से मिलेंगे।

अमेरिका की ओर से कौन पहुंचेगा इस्लामाबाद: अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर शनिवार को ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ सीधी वार्ता के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस बात की पुष्टि की है।

शांति वार्ता में पाकिस्तान की क्या भूमिका: पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि ईरानी नेता का स्वागत उप प्रधानमंत्री इशाक डार, फील्ड मार्शल मुनीर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया। पाकिस्तान की भूमिका ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता की है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

क्या होगा दूसरे दौर की शांति वार्ता का एजेंडा: ईरानी दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विदेश मंत्री द्विपक्षीय मामलों और क्षेत्रीय विकास पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद पहुंचे हैं। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तानी मध्यस्थता टीम के साथ प्रमुख चर्चाओं के बाद, अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की शांति वार्ता इस्लामाबाद में होने की उम्मीद है। अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल 11 अप्रैल की वार्ता से आगे बढ़ेगा, जिसका नेतृत्व उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने किया था। हालांकि, उस वार्ता में ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पर कोई स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं मिल पाई थी।

रूस और ओमान भी जाएंगे अराघची

तेहरान से प्रस्थान करने से पहले, अराघची ने कहा था कि वे द्विपक्षीय मामलों पर घनिष्ठ समन्वय और क्षेत्रीय विकास पर परामर्श के लिए पाकिस्तान, ओमान और रूस की यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'हमारे पड़ोसी हमारी प्राथमिकता हैं।

ईरान-अमेरिका युद्ध की स्थिति: ईरानी मीडिया ने बताया कि अराघची क्षेत्र में वर्तमान विकास और अमेरिका-ईरान युद्ध की नवीनतम स्थिति पर द्विपक्षीय परामर्श करेंगे। अमेरिकी लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा दल पहले से ही इस्लामाबाद में मौजूद है ताकि वार्ता प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल शनिवार रात तक पहुंच सकता है, बशर्ते कि ईरान के साथ किसी प्रकार की समझ विकसित हो जाए।

जनगणना 2027 : विकास की आधारशिला , कोई भी छूटे नहीं के संकल्प के साथ तैयारियां तेज

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जनगणना 2027 के सफल और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना की प्रक्रिया, प्रावधानों और समय-सीमा की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। बैठक में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने जनगणना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि देश के समग्र विकास की मजबूत आधारशिला है। जनगणना के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए योजनाएं बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि सटीक आंकड़ों के आधार पर ही संसाधनों का न्यायसंगत वितरण संभव हो पाता है। वहीं विधायक रीती पाठक ने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की नीतियों को दिशा देते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इस राष्ट्रीय कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और सही जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए कोई भी छूटे नहींके संकल्प को सफल बनाने की बात कही। कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनगणना को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व बताते हुए कहा कि इसके आंकड़े ही विकास की दिशा तय करते हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया, ताकि कोई भी नागरिक गणना से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर उपस्थित जनों को जनगणना की शपथ भी दिलाई गई जिसमें सभी ने पूर्ण सहयोग करने और दूसरों को प्रेरित करने का संकल्प लिया। बैठक में जानकारी दी गई कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्व-गणना की प्रक्रिया संचालित की जा रही है जिसमें नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। इसके बाद 1 मई से 31 मई तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण किया जाएगा। जनगणना कार्य के लिए जिले में 2244 गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इसके लिए 2006 प्रगणक नियुक्त किए गए हैं जबकि 207 प्रगणक रिजर्व में रखे गए हैं। इसके अलावा 334 सुपरवाइजर एवं 44 रिजर्व सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं जिससे पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, जनपद अध्यक्ष मझौली सुनैना सिंह, नगर परिषद चुरहट अध्यक्ष मोनिका गुप्ता सहित विभिन्न दलों के प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग से जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न किया जाएगा।

गल्ला व्यापारी की कार से 4 लाख चोरी :युवक ने शीशा तोड़कर चुराए पैसे

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। एक गल्ला व्यापारी की कार का शीशा तोड़कर उसमें रखे 4 लाख रुपए नकद चुरा लिए गए। यह घटना तब हुई जब व्यापारी बैंक से पैसे निकालकर अपनी कार में छोड़कर गए थे। कौआ सरई निवासी गल्ला व्यापारी अशोक कुमार गुप्ता ने स्टेट बैंक से शाम लगभग 4 लाख रुपए नकद निकाले थे। बैंक से निकलने के बाद उन्होंने अपनी कार अप्सरा साड़ी सेंटर के पास खड़ी की। व्यापारी ने नकदी कार के अंदर ही छोड़ दी और कुछ दूरी पर अपने काम से चले गए इसी दौरान एक अज्ञात युवक ने कार को निशाना बनाया। आरोपी ने बड़ी तेजी से कार का शीशा तोड़ा और अंदर रखी नकदी लेकर फरार हो गया। कुछ ही मिनटों में वारदात को अंजाम दिया गया। जब व्यापारी वापस लौटे तो उन्होंने कार का शीशा टूटा हुआ पाया और नकदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल जयसिंहनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई,जिसमें एक संदिग्ध युवक वारदात को अंजाम देते हुए नजर आया है। थाना प्रभारी अज्ञेय कुमार बैगा ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

रीवा जिला अधिवक्ता संघ चुनाव, राजेंद्र पांडेय 7 वीं बार अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। रीवा जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र पांडेय ने एक बार फिर जीत दर्ज की है। कड़े त्रिकोणीय मुकाबले में पांडेय ने सातवीं बार अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों अशोक शुक्ला और बृजेंद्र सिंह को लगभग 250 वोटों के अंतर से हराया है। इस चुनाव में करीब 1700 मतदाताओं (अधिवक्ताओं) ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। शुक्रवार देर रात अंतिम परिणाम घोषित होने के बाद न्यायालय परिसर में समर्थकों ने फूल-मालाओं से स्वागत कर जीत का जश्न मनाया। चुनाव समिति ने मतगणना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए न्यायालय परिसर में लाइव काउंटिंग (टीवी स्क्रीन) की व्यवस्था की थी। इससे हर राउंड की जानकारी तुरंत उपलब्ध होती रही। मतगणना प्रक्रिया सुबह शुरू होकर देर रात तक चली। शुरुआती राउंड से ही राजेंद्र पांडेय ने जो बढ़त बनाई वह अंत तक कायम रही। पूरे दिन न्यायालय परिसर में गहमागहमी का माहौल रहा और अधिवक्ता लगातार रुझानों पर नजर बनाए रहे। अध्यक्ष पद के लिए इस बार कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला। अशोक शुक्ला और बृजेंद्र सिंह ने भी मजबूत दावेदारी पेश की थी लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र पांडेय ने अपने अनुभव और व्यापक समर्थन के दम पर स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली। देर रात जैसे ही परिणाम घोषित हुए पांडेय समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

उर्स मुबारक का भव्य आयोजन 26 अप्रैल को, मशहूर कव्वालों की रहेगी शानदार प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हर वर्ष की परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी हज़रत दाराशाह रहमतुल्लाह अलैह, तकिया बिछिया जिला रीवा का उर्स मुबारक 26 अप्रैल 2026 को श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। उर्स कमेटी के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस पावन अवसर पर देशभर के प्रसिद्ध कव्वाल अपनी प्रस्तुति देंगे। इस आयोजन में मशहूर कव्वाल रईस मियां (दिल्ली) एवं सैम अली नियाज़ी अपनी शानदार कव्वाली से समां बांधेंगे कव्वाली का भव्य मुकाबला रात 10 बजे से शुरू होकर भोर तक चलेगा जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला वक्फ बोर्ड कमेटी रीवा के अध्यक्ष तौसीफ अहमद (रेसी) होंगे जबकि अध्यक्षता हाजी डॉ. मुजीब खान करेंगे उर्स के दौरान दरगाह परिसर में दूर-दराज से आने वाले अकीदतमंद जियारत के लिए पहुंचेंगे साथ ही परिसर और आसपास मेले का आयोजन होगा जिसमें चादर, सिन्नी, खिलौने, बर्तन सहित विभिन्न दुकानों के साथ झूले और अन्य आकर्षण लोगों के मनोरंजन का केंद्र रहेंगे। उर्स कमेटी के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। साथ ही नगर निगम बिजली विभाग और पुलिस प्रशासन से पेयजल, साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया गया है।

सूखा नाला पुनर्जीवन के लिए सीधी में श्रमदान, जल है तो कल है का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की दिशा में सीधी जिले में एक सराहनीय पहल देखने को मिली जहां जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सूखा नाला के पुनर्जीवन के लिए व्यापक जनसहभागिता के साथ श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नगरवासियों ने मिलकर नाला सफाई गाद निकासी और जल प्रवाह को सुचारू बनाने के कार्य किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन करते हुए भविष्य के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को 'जल है तो कल है का संदेश देते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया और सामूहिक संकल्प लिया गया कि प्रकृति संरक्षण के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम में विधायक रीती पाठक ने स्वयं श्रमदान कर लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि देश में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। विधायक पाठक ने कहा कि बढ़ती जल समस्या को देखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा सम्पन्न, विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया भाग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में 10 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक आयोजित नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का सफल समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस पखवाड़े में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता प्राप्त की। पखवाड़े के दौरान महाविद्यालय में अनेक शैक्षणिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन के उद्बोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया जिससे उन्हें महिला सशक्तिकरण के महत्व और वर्तमान परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिली। इसके अलावा विशेष व्याख्यान पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता और निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

जेल में पॉक्सो एक्ट के कैदी की संदिग्ध मौत : अधीक्षक बोले-पहले से खराब थी तबीयत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिला जेल में पॉक्सो एक्ट के तहत बंद कैदी रजनीश दुबे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं खासकर मौत के समय को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जेल अधीक्षक रविशंकर सिंह के अनुसार कैदी रजनीश दुबे की तबीयत पहले से खराब थी और जेल में ही उसका इलाज चल रहा था। उसकी तबीयत बिगड़ी और रात करीब 9 बजे हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे के बयान ने मामले को नया मोड़ दे दिया है उन्होंने बताया कि कैदी की मौत अस्पताल लाने से करीब 8 घंटे पहले ही हो चुकी थी इस खुलासे के बाद कई सवाल खड़े हो गए हैं। अब यह सवाल उठ रहा है कि अगर कैदी की मौत पहले ही हो गई थी तो उसे समय पर अस्पताल क्यों नहीं पहुंचाया गया क्या इलाज में लापरवाही हुई या फिर घटना को छिपाने की कोशिश की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा। इस घटना के बाद जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं अब सभी की नजरें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं जिससे सच्चाई सामने आने की उम्मीद है।

निर्माणाधीन मकान में सो रहे मिस्त्री को ट्रक ने कुचला :मौके पर हुई मौत

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 पर अवैध रेत परिवहन के दौरान एक राज मिस्त्री की मौत हो गई। रेत से भरे मिनी ट्रक ने निर्माणाधीन मकान में सो रहे मिस्त्री को कुचल दिया। इस घटना ने अवैध रेत कारोबार पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के बैजनाथ सिंह के निर्माणाधीन मकान में तीन मजदूर रात का भोजन करने के बाद सो गए थे। इनमें 35 वर्षीय अशोक वर्मन, पिता रमेश वर्मन, मकान के रास्ते में ही जमीन पर सो रहा था। उसके दो साथी कुछ दूरी पर सोए हुए थे। देर रात रेत उतारने पहुंचे मिनी ट्रक चालक ने अंधेरे में अशोक को नहीं देखा और वाहन उसके ऊपर चढ़ा दिया। अशोक की मौके पर ही मौत हो गई उसके शरीर पर वाहन के टायरों के निशान स्पष्ट देखे गए। सुबह जब अन्य मजदूरों ने अशोक को मृत अवस्था में देखा तो उन्होंने तत्काल परिजनों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शी मजदूर राम जियावन ने बताया कि मकान मालिक ने छतवाई निवासी छेकलाल यादव को रेत आपूर्ति का काम दिया था। आरोप है कि जिले में रेत का वैध ठेका न होने के कारण रात के समय अवैध रूप से रेत गिराई जा रही थी उसी दौरान यह घटना हुई।

रीवा में बदले सियासी समीकरण : किसान मोर्चा अध्यक्ष बने प्रवीण त्रिपाठी, संगठन में बढ़ी हलचल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की भाजपा राजनीति में एक बार फिर संगठनात्मक बदलावों ने नई हलचल पैदा कर दी है। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पद पर प्रवीण त्रिपाठी की नियुक्ति के बाद जिले में नए सियासी समीकरण बनने शुरू हो गए हैं। खासतौर पर ब्राह्मण समाज से चेहरे को आगे लाने के इस निर्णय को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। सूत्रों के अनुसार यह नियुक्ति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति से की गई बताई जा रही है जिससे संगठन के भीतर शक्ति संतुलन के नए संकेत मिल रहे हैं। वहीं यह भी चर्चा है कि इस फैसले में जिला भाजपा अध्यक्ष की पसंद को दरकिनार किया गया जिससे यह स्पष्ट होता है कि शीर्ष स्तर के निर्णय स्थानीय प्राथमिकताओं से अलग भी हो सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसान मोर्चा जैसे महत्वपूर्ण संगठन में नेतृत्व परिवर्तन के जरिए भाजपा विभिन्न वर्गों और मोर्चों के बीच संतुलन साधने की रणनीति पर काम कर रही है। इससे आने वाले समय में अन्य मोर्चों में भी बदलाव की संभावना जताई जा रही है। इसी क्रम में पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष पद के लिए मुख्यमंत्री फॉर्मूला के तहत राजेश यादव का नाम लगभग तय माना जा रहा है। वहीं महिला मोर्चा के लिए ज्योति पटेल, रंजना सिंह और ममता गुप्ता के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। भाजपा युवा मोर्चा के नए अध्यक्ष को लेकर संगठन के भीतर मंथन जारी है। इस पद के लिए देवांशु मिश्रा, अमित तिवारी और दुर्गा तिवारी प्रमुख दावेदार के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

देवांशु मिश्रा को संघ से जुड़ा हुआ चेहरा माना जा रहा है, जिससे उनकी संगठनात्मक पकड़ मजबूत मानी जा रही है। वहीं दुर्गा तिवारी को पूर्व राष्ट्रीय मंत्री गौरव तिवारी के गुट से जुड़ा माना जा रहा है जो उनकी दावेदारी को मजबूती देता है। दूसरी ओर अमित तिवारी को प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं का करीबी बताया जा रहा है, हालांकि उनकी अपेक्षाकृत अधिक उम्र उनके लिए चुनौती बन सकती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े हिमांशु कौशल गुप्ता और सूर्यप्रताप तिवारी का नाम भी तेजी से चर्चा में है। संगठनात्मक अनुशासन और कार्यशैली के कारण एबीवीपी पृष्ठभूमि के नेताओं को प्राथमिकता मिलने की संभावना जताई जा रही है। युवाओं के बीच मजबूत पकड़ रखने वाले अनिमेष द्विवेदी 'मंटू' और ऋतुराज चतुर्वेदी भी प्रमुख दावेदार के रूप में उभर रहे हैं। दोनों नेताओं की जमीनी सक्रियता और युवा वर्ग में प्रभाव को उनकी बड़ी ताकत माना जा रहा है। इसी बीच प्रदीप पटेल का नाम भी तेजी से आगे बढ़ा है, जिन्हें नगर निगम के एक वरिष्ठ पदाधिकारी का समर्थन प्राप्त बताया जा रहा है। संगठनात्मक राजनीति में यह समर्थन अहम भूमिका निभा सकता है। फिलहाल अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा ही लिया जाएगा, लेकिन इन नियुक्तियों और संभावित बदलावों ने रीवा जिले की राजनीति में नई सरगर्मी पैदा कर दी है। कार्यकर्ताओं और नेताओं की नजरें अब आने वाले संगठनात्मक विस्तार पर टिकी हुई हैं जिससे जिले की सियासत को नई दिशा मिल सकती है।

24 घंटे में हत्यारा गिरफ्तार : बिजली काटने से नाराज था आरोपी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी थाना क्षेत्र में हुई हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना शुक्रवार की है जब ग्राम सूदा निवासी 40 वर्षीय भुनेश्वर उर्फ छंदू कोल का शव उसके घर के पास संदिग्ध हालत में मिला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए और संदिग्धों से पूछताछ की। पूछताछ में गांव के ही 28 वर्षीय मुन्नालाल पनिका पर संदेह गहराया सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी मुन्नालाल ने पुलिस को बताया कि मृतक भुनेश्वर कोल बार-बार उसके घर की बिजली लाइन काट देता था जिससे वह नाराज था। घटना की रात करीब 12 बजे इसी गुस्से में आकर आरोपी ने लाठी से भुनेश्वर पर हमला कर दिया। इस हमले में भुनेश्वर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लाठी भी बरामद कर ली है। आरोपी मुन्नालाल पनिका के खिलाफ अपराध क्रमांक 171/2026 धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

टूटी हुई आम आदमी पार्टी

संपादकीय

आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों का भाजपा में शामिल होना केजरीवाल और पार्टी के लिए बड़ा झटका है। यह घटनाक्रम उनके नेतृत्व और नीतियों पर गंभीर सवाल उठाती है, जिससे पार्टी की छवि और भविष्य पर असर पड़ सकता है। राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल समेत आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में जाने का उपक्रम इस दल और साथ ही राष्ट्रीय संयोजक के रूप में उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल के लिए एक बड़ा झटका है। आप के इन तीन राज्यसभा सदस्यों के अतिरिक्त क्रिकेटर हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल का अभी भाजपा में शामिल होना शेष है, पर पार्टी से अलग होने की उनकी सहमति यही बता रही कि अब औपचारिकता ही शेष है।

आप के कुल दस राज्यसभा सदस्यों में से जो सात सदस्य टूटे, उनमें राघव चड्ढा को हाल में राज्यसभा के उपनेता पद से हटाया गया था। इसके बाद यह साफ हो गया था कि स्वाति मालीवाल की तरह उनका भी पार्टी में कोई भविष्य नहीं, लेकिन इस पर हैरानी है कि राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाए गए अशोक मित्तल ने भी केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इनके यहां कुछ दिनों पहले ईडी ने छापेमारी की थी।

आप नेता कह सकते हैं कि उनके दल त्याग के पीछे इस छापेमारी की भूमिका रही, पर उनके साथ संदीप पाठक का पार्टी छोड़ना बहुत ही आश्चर्यजनक है। वे केजरीवाल के भरोसेमंद साथी थे और उनकी गिनती पार्टी के रणनीतिकारों में भी होती थी। इन सात सांसदों की टूट का असर राष्ट्रीय स्तर पर हो सकता है, लेकिन वह शायद सबसे अधिक पंजाब में दिखेगा।

यह पहली बार नहीं, जब आप के ऐसे नेताओं ने पार्टी छोड़ी हो या फिर उन्हें बाहर जाने को बाध्य किया गया हो, जो केजरीवाल के उन दिनों के साथी रहे, जब पार्टी का गठन भी नहीं हुआ था। प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, आनंद कुमार, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास, मयंक गांधी, राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल जैसे न जाने कितने ऐसे नेता हैं, जिन्होंने केजरीवाल का साथ छोड़ा या फिर उन्हें जबरन किनारे किया गया। इनमें से कई आप के संस्थापक सदस्य थे। इसका सीधा अर्थ है कि समस्या केजरीवाल के नेतृत्व और उनकी रीति-नीति में है। केजरीवाल और उनके साथियों के लिए यह कहना तो आसान है कि भाजपा ने कथित आपरेशन कमल के जरिये उसके सांसदों को तोड़ लिया, पर अच्छा होगा कि वे इस पर आत्मचिंतन करें कि उनके घनिष्ठ सहयोगी एक-एक करके उनका साथ क्यों छोड़ रहे हैं? यह कोई ढकी-छिपी बात नहीं कि आप ने अपने उदय के साथ नई तरह की और साफ-सुथरी राजनीति करने का जो वादा किया था, वह न जाने कहां गुम हो गया।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस, 26 अप्रैल 2026 पर विशेष)

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है।

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मर्यादा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादूई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अत: यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है

संजय गोस्वामी

लेकिन मजा ही एक दिन सज़ा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैं लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैं इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गई कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्ज़ा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफ़ायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अर्थःकबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (Self-reflection) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा थाःअमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया। ऋषियों को ऐसे द्रष्टा के रूप में वर्णित किया गया है जिन्होंने वैदिक मंत्रों को प्रकट किया, जबकि मुनि ऐसे संत हैं जो अपने मौन व्रत या आध्यात्मिक मौन में गहरी तल्लीनता के लिए जाने जाते हैं। इसलिए भारत एक महान देश है. क्योंकि इसकी सभ्यता और संस्कृति पश्चिम देशों जैसी अश्लील नहीं है।

एक देश, 2 मतदाता सूची, 2 किस्म के नागरिक

सनत जैन

देश में इस समय एसआईआर केंद्रीय चुनाव आयोग, राज्य चुनाव आयोग केंद्र सरकार और राज्य सरकारोंके चुनाव अ?धिकारों को लेकर देशभर में चर्चा का विषय बनकर सामने आ रहे हैं। लोकसभा और विधानसभा के चुनाव कराने की जिम्मेदारी केंद्रीय चुनाव आयोग की होती है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 22 से अधिक राज्यों में एसआईआर के माध्यम से मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान चला रखा है। अभी तक जिन राज्यों में एसआईआर हुई है, उन राज्यों में लगभग 5.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग ने उन्हें मतदान योग्य नागरिक नहीं माना है। जिस तरह से अभी तक एसआईआर के माध्यम से मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं, उसके अनुसार एसआईआर का काम पूर्ण होने पर लगभग 10 करोड़ मतदाताओं के नाम कटना तय माना जा रहा है। इसी बीच राज्य चुनाव आयोग द्वारा भी नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों के लिए अलग से मतदाता सूची तैयार की जाती है राज्य स्तर की मतदाता सूची और केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूची में बड़े राज्यों में करोड़ों मतदाताओं का अंतर है। इस बात को सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उजागर करते हुए कहा था, राज्य की मतदाता सूची में जो नाम दर्ज हैं, उनके नाम केंद्रीय मतदाता सूची में क्यों नहीं हैं। यही सवाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी लगातार उठाती आ रही हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय एवं पंचायत के चुनाव की तैयारी शुरु हो गई है। म.प्र. के राज्य चुनाव आयुक्त ने कहा है, 2027 में होने वाले चुनाव पुराने परिसीमन के आधार पर ही चुनाव संपन्न कराए जाएंगे। हाल ही में केंद्रीय चुनाव आयोग के आदेश पर जो परिसीमन हुआ था। वह मतदाता सूची राज्य चुनाव आयोग मान्य नहीं कर रहा है। जिस तरह की स्थिति देश में चुनावों को लेकर बन रही है, उसमें केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची को लेकर विवाद की स्थिति बन रही है। राज्य सरकारों और राज्य चुनाव आयोग राज्य की तैयार मतदाता सूची से ही चुनाव कराना चाहती हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संपूर्ण राज्य में जगह-जगह मतदाता विरोध में खड़े हो जाएंगे। राज्यों में स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों का चुनाव होता है। ऐसी स्थिति में राज्यों की राजनै?तिक एवं कानून व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। जिस तरह के हालत अभी देखने को मिल रहे हैं। उसके बाद यह कहने में संकोच नहीं है, भारत एक देश है। इसके बाद भी केंद्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग की मतदाता सूची अलग-अलग है। केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम कानून और निर्देश पर राज्यों के चुनाव आयोग काम करते हैं। केंद्रीय चुनाव आयोग जिन्हें मतदाता नहीं मान रहा है। राज्य का चुनाव आयोग उन्हें मतदाता मानता है। नागरिकता तय करने का अधिकार केंद्रीय गृह मंत्रालय को है। केंद्रीय गृह मंत्रालय चुप है। अब नागरिकता और मतदाता के मतदान का अधिकार तय करने का काम केंद्रीय चुनाव आयोग कर रहा है। इसको लेकर ?जिस तरह की अपरा तफरी सारे देश में मची हुई है, उसमें अब न्यायपालिका भी चर्चाओं में आ गई है। 10 महीने से ज्यादा हो गए बिहार ?विधानसभा चुनाव के पहले एसआईआर की या?चिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। न्यायपालिका अभी तक केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर कराई जा रही है। वह संवैधानिक है या नहीं इसका फैसला अभी तक सुप्रीम कोर्ट नहीं कर पाया है। सारी याचिकाएं लंबित पड़ी हुई हैं। इसी बीच राज्यों के चुनाव भी हो रहे हैं, एसआईआई भी हो रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह स्थिति पहली बार संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लागू होने पर देखने को मिल रही है। देश में पहली बार सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही जजों को एसआईआर के काम में लगा दिया है। जिससे न्यायपालिका खुद पार्टी बनती हुई नजर आ रही है। यह स्थिति राजनीतिक प्रशासनिक और कानून व्यवस्था के लिए आगे चलकर बड़ी चुनौती बन सकती है। जिस तरह से मतदाताओं के अधिकारी पर केंची चलाई जा रही है, संवैधानिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी जिनके उपर है वह नागरिकों के जब मौलिक अधिकार खत्म किये जा रहे हों, उस समय वह चुप बैठकर तमाश देखें, इसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी।

समुद्र की गहराइयों में भारत की शक्ति

आधुनिक युग में युद्ध की प्रकृति ने पारंपरिक सीमाओं को पूरी तरह पार कर लिया है। अब यह केवल टैंकों, विमानों या सैनिकों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि एक बहुआयामी, जटिल और तकनीक-प्रधान प्रक्रिया बन चुका है, जिसमें ड्रोन, साइबर हमले, अंतरिक्ष-आधारित निगरानी प्रणालियाँ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाइपरसोनिक मिसाइलें एक साथ कार्य करती हैं। इस परिवर्तित परिदृश्य में युद्ध किसी एक भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समुद्र, आकाश, भूमि और साइबर स्पेस के बीच निरंतर समन्वय के रूप में संचालित होता है। ऐसे वातावरण में भारत जैसी उभरती क्षेत्रीय एवं वैश्विक शक्ति के लिए अपनी सुरक्षा रणनीति को पुनर्परिभाषित करना अनिवार्य हो गया है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

विशेष रूप से समुद्री क्षेत्र में परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास अब विकल्प नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है, क्योंकि यह न केवल भारत की रक्षा क्षमता को सुदृढ़ करता है, बल्कि उसकी वैश्विक सामरिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है। हिंद महासागर क्षेत्र की बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ इस आवश्यकता को और स्पष्ट करती हैं। यह क्षेत्र केवल सामरिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग भी है। विश्व के अधिकांश तेल परिवहन और व्यापारिक जहाज इसी मार्ग से गुजरते हैं, और भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी काफी हद तक इसी पर निर्भर करती है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अस्थिरता या बाहरी हस्तक्षेप भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। चीन की बढ़ती समुद्री उपस्थिति, बंदरगाहों के विकास की उसकी नीति तथा क्षेत्र में उसकी सैन्य गतिविधियाँ भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौती प्रस्तुत करती हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान की परमाणु क्षमताओं और उसकी नौसैनिक शक्ति में हो रही वृद्धि भी चिंता का विषय है। इन परिस्थितियों में भारत के लिए यह आवश्यक हो जाता है कि वह अपनी समुद्री सुरक्षा को केवल पारंपरिक साधनों तक सीमित न रखे, बल्कि उसे परमाणु प्रतिरोधक क्षमता से भी सशक्त बनाए।

समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी संभावित विरोधी को यह स्पष्ट संदेश मिले कि यदि वह परमाणु हमला करता है, तो उसे समान या उससे अधिक प्रभावी जवाब का सामना करना पड़ेगा। यही सिद्धांत 'विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध' की अवधारणा को जन्म देता है, जिसके तहत कोई भी देश अपनी सुरक्षा के लिए उतनी ही परमाणु क्षमता विकसित करता है जितनी संभावित खतरे को रोकने के लिए आवश्यक हो। भारत की 'नो फर्स्ट यूज' नीति भी इसी सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर हमला होता है, तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति की विश्वसनीयता तभी संभव है जब भारत के पास ऐसी क्षमता हो जो प्रथम हमले के बाद भी सुरक्षित रहे और प्रभावी जवाब दे सके। यही वह स्थान है जहाँ समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता, विशेष रूप से परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियाँ, अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

झपनडुब्बियाँ इस संदर्भ में सबसे प्रभावी माध्यम मानी जाती हैं, क्योंकि वे समुद्र की गहराइयों में लंबे समय तक गुप्त रूप से रह सकती हैं और उनका पता लगाना अत्यंत कठिन होता है। यही उनकी 'सेकंड स्ट्राइक क्षमता' को सुदृढ़ बनाता है। अर्थात यदि देश के स्थलीय या हवाई ठिकाने नष्ट भी हो जाएँ, तो समुद्र में मौजूद पनडुब्बियाँ जवाबी हमला करने में सक्षम रहती हैं। यह क्षमता किसी भी विरोधी के लिए एक मजबूत निरोधक तत्व बन जाती है, क्योंकि उसे यह ज्ञात होता है कि वह पूर्णतः सुरक्षित नहीं है। इस प्रकार, समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता केवल युद्ध की स्थिति में ही नहीं, बल्कि शांति बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

भारत ने इस दिशा में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वदेशी तकनीक पर आधारित परमाणु-संचालित पनडुब्बियों का विकास इस बात का संकेत है कि भारत अब अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है। इन पनडुब्बियों में लंबी दूरी तक मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों की क्षमता होती है, जो उन्हें रणनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। इसके साथ ही, आधुनिक तकनीकों जैसे मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (स्ढ्ढक्ऱ्क्क) का उपयोग उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है, जिससे एक ही मिसाइल से अनेक लक्ष्यों को साधा जा सकता है। यह क्षमता न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विरोधी के लिए रणनीतिक चुनौती भी प्रस्तुत करती है।

हालाँकि, केवल पनडुब्बियों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा के लिए भी एक सुदृढ़ तंत्र की आवश्यकता होती है। परमाणु पनडुब्बियाँ अत्यंत जटिल तकनीकी प्रणालियों पर आधारित होती हैं और उनका संचालन उच्च स्तर की विशेषज्ञता तथा प्रशिक्षण की माँग करता है। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण पहलू बन चुकी है, क्योंकि आधुनिक युद्ध में साइबर हमले किसी भी सैन्य प्रणाली को निष्क्रिय कर सकते हैं। यदि पनडुब्बियों के संचार तंत्र या नियंत्रण प्रणाली को हैक कर लिया जाए, तो यह गंभीर खतरा बन सकता है। इसी प्रकार, अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियाँ भी पनडुब्बियों की गोपनीयता को चुनौती दे सकती हैं, जिससे उनकी रणनीतिक उपयोगिता प्रभावित हो सकती है।

भविष्य की रणनीति में इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना आवश्यक होगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम संचार और उन्नत सेंसर तकनीक का उपयोग पनडुब्बियों की क्षमताओं को और अधिक सुदृढ़ कर सकता है। क्वांटम संचार विशेष रूप से सुरक्षित संचार का एक नया माध्यम प्रदान कर सकता है, जिससे दुश्मन द्वारा संचार को बाधित या अवरोधित करना लगभग असंभव हो जाएगा। साथ ही, उन्नत सेंसर और निगरानी प्रणालियाँ पनडुब्बियों को अधिक सटीक, प्रभावी और सुरक्षित बना सकती हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, किंतु अंततः किसी भी देश की सुरक्षा उसकी अपनी क्षमताओं पर ही निर्भर करती है। भारत विभिन्न वैश्विक मंचों पर सक्रिय है और समुद्री सुरक्षा के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करता है, परंतु उसे अपनी स्वदेशी क्षमताओं को भी समान रूप से सुदृढ़ करना होगा। इसके लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाना, वैज्ञानिक संस्थानों को सशक्त बनाना तथा रक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना आवश्यक है। समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता का विकास केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक संतुलित और जिम्मेदार रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य शांति और स्थिरता बनाए रखना है। एक मजबूत प्रतिरोधक क्षमता संभावित संघर्षों को रोकने में सहायक होती है और यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी देश आक्रामक कदम उठाने से पहले उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करे। इस प्रकार, यह क्षमता युद्ध को रोकने का एक प्रभावी माध्यम बन जाती है।आधुनिक युग में भारत की समुद्री परमाणु प्रतिरोधक क्षमता उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का एक केंद्रीय तत्व बन चुकी है। यह न केवल भारत को बाहरी खतरों से सुरक्षित रखती है, बल्कि उसे वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और सक्षम शक्ति के रूप में स्थापित भी करती है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों और उभरती चुनौतियों के बीच, भारत के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी रणनीति को निरंतर अद्यतन करता रहे और नई तकनीकों तथा विचारों को अपनाकर अपनी सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाए।

AAP की रणनीति बनाने वाला चेहरा BJP में: कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना चुनौती

मीडिया ऑडीटर,छत्तीसगढ़ (निप्र)। राघव चड्ढा समेत आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा जिस नाम को लेकर हो रही है वो है संदीप पाठक जिनका सीधा संबंध छत्तीसगढ़ से रहा है और जिन्हें पार्टी का चुनावी 'थिंक टैंक' माना जाता रहा है।

AAP के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के तौर पर संदीप पाठक ने कई राज्यों में पार्टी के विस्तार और चुनावी रणनीति को आकार दिया। ऐसे में उनका बीजेपी में जाना न सिर्फ राष्ट्रीय राजनीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है बल्कि छत्तीसगढ़ की सियासत में भी इसके असर को लेकर हलचल तेज हो गई है। प्रदेश प्रभारी रहे संदीप पाठक छत्तीसगढ़ की राजनीति को करीब से समझते थे और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी पकड़ थी। उनके बीजेपी में जाने के बाद अब प्रदेश में कार्यकर्ताओं को एकजुट रखना बड़ी चुनौती है। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष का कहना है कि उनके जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा। वे सक्रिय ही नहीं थे। पिछले 2 सालों से वे छत्तीसगढ़ आए ही नहीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पार्टी पर 'सबका विश्वास' बढ़ रहा है। वहीं पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि ये भाजपा की बी टीम है और ओरिजनल पार्टी में जा रहे हैं। आप और भाजपा में अंतर नहीं है ये लोग मुख्यधारा में वापस पहुंच गए। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल सीधे बीजेपी मुख्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से पार्टी जॉइन कर ली। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान बनाने वाले संदीप पाठक की पृष्ठभूमि छत्तीसगढ़ से जुड़ी है।

साल 2016 में संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी के साथ सक्रिय राजनीति में कदम रखा। संगठन और चुनावी रणनीति में उनकी पकड़ जल्द ही पार्टी के भीतर साफ दिखने लगी। खासकर 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में AAPको मिली प्रचंड बहुमत वाली जीत के पीछे उनकी रणनीति को अहम कारणों में गिना गया। इस सफलता के बाद पार्टी ने उन्हें अप्रैल 2022 में पंजाब से निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुना। उसी साल दिसंबर में संदीप पाठक को पार्टी का राष्ट्रीय संगठन महासचिव नियुक्त किया गया। इसके साथ ही उन्हें पार्टी के प्रमुख निर्णय लेने वाले निकाय, यानी राजनीतिक मामलों की समिति का सदस्य भी बनाया गया जहां से वे संगठन और चुनावी फैसलों में अहम भूमिका निभाते रहे।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अहम नाम संदीप पाठक का है क्योंकि उनका संगठनात्मक काम छत्तीसगढ़ तक फैला रहा है। विस्तार में उनका रोल राज्यों में रणनीति बनाने का रहा। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में भी उनकी भूमिका अहम रही है। करीब एक साल पहले उन्हें पार्टी ने छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया था जहां संगठन खड़ा करने और नए चेहरों को जोड़ने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई थी। ऐसे में उनके पार्टी छोड़ने को राज्य मे AAP के संगठनात्मक ढांचे के लिए झटके के तौर पर भी देखा जा रहा है। अब उनका बीजेपी में जाना उस पूरी राजनीतिक लाइन को बदलने जैसा है।

गुटखा की दो अवैध फैक्ट्रियों पर छापा ,गोदाम सील: 6 घंटे की कार्रवाई में 11 मशीनें वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। करैरा क्षेत्र में प्रशासन ने अवैध गुटखा निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग जगह संचालित फैक्ट्री यूनिटों को सील कर दिया। एसडीएम अनुराग निंगवाल के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में मशीनें, वाहन और केमिकल सामग्री जब्त की गई है। एसडीएम अनुराग निंगवाल पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ ग्राम टीला और अमोला कॉलोनी पहुंचे, जहां अवैध रूप से गुटखा प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और भंडारण का काम चल रहा टीम के पहुंचते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि फैक्ट्री संचालक मौके से फरार हो गए जबकि वहां काम कर रहे मजदूर मौजूद मिले। प्रशासन ने सबसे पहले टीला स्थित फैक्ट्री को सील किया और पास के एक गोदाम को भी बंद कराया। इसके बाद अमोला कॉलोनी में चल रही दूसरी यूनिट पर कार्रवाई करते हुए उसे भी सील कर दिया गया।

11 से ज्यादा मशीनें और वाहन जब्त: करीब छह घंटे चली इस कार्रवाई में टीम ने 11 से अधिक मशीनें दो लोडिंग वाहन एक आयशर ट्रक और केमिकल से भरे कई ड्रम जब्त किए हैं। मौके से बड़ी मात्रा में गुटखा निर्माण सामग्री भी बरामद हुई है बताया जा रहा है कि यहां अलग-अलग ब्रांड के नाम से गुटखा तैयार किया जा रहा था।

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई: इस संयुक्त कार्रवाई में एसडीएम अनुराग निंगवाल के साथ एसडीओपी आयुष जाखड़, तहसीलदार ललित शर्मा और खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष मिश्रा शामिल रहे। सभी गोदामों और यूनिटों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत सील कर दिया गया है एसडीएम अनुराग निंगवाल ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध गुटखा निर्माण की शिकायतें मिल रही थीं इन्हीं शिकायतों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिपरिया में 63 बोरी ब्रांडेड कंपनी का नकली खाद जब्त: किसानों को सीधे खपाने की थी तैयारी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। पिपरिया में टेकापार के पास ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली ऑर्गेनिक खाद खपाने का मामला सामने आया है। प्रशासन की टीम ने 22 अप्रैल को एक आयशर से पिकअप वाहन में खाद शिफ्ट करते हुए 63 बोरी माल जब्त किया था। जांच में अलवर (राजस्थान) की जिस कंपनी के नाम का यह खाद मिला उसने इसे अपना माल मानने से इनकार कर दिया है। इसके बाद गुरुवार रात स्टेशन थाने में इंदौर और पिपरिया निवासी दोनों वाहन चालकों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मटकुली में सुलेमान को होनी थी डिलीवरी मौके पर नहीं मिला वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एवं सह निरीक्षक निराली आर्य ने

बताया 22 अप्रैल को एसडीएम आकिप खान की सूचना पर तहसीलदार पिपरिया वैभव वैरागी, नायब तहसीलदार पिपरिया मनोज कुमार नामदेव एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी निराली आर्य उर्वरक ले जा रहे वाहन की जांच करने पहुंचे। आयशर वाहन से पिकअप गाड़ी में खाद की बोरियों को रखा जा रहा था। जिसमें कुछ गड़बड़ियां मिलीं। एक आयशर और पिकअप वाहन में खाद रखने के दौरान मौके में जो दस्तावेज दिखाएं। उसमें बिल रामशा बायोटेक, पीथमपुर द्वारा एग्रो बायो आर्गेनिक फर्टिलाइजर्स अलवर (राजस्थान) के नाम जारी था। जिसकी डिलीवरी मटकुली में सुलेमान खान के यहां होनी थी। हालांकि जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति सुलेमान खान मौके पर नहीं मिला। अवैध परिवहन करते हुए आयशर वाहन से खाद उतारकर पिकअप में लोड किया जा रहा था। टीम ने मौके से कुल 63 बोरियां जब्त कर पुलिस अभिरक्षा में भेजी हैं। इनमें से 55 बोरियां पिकअप और 8 बोरियां आयशर में रखी मिली थीं। मौके पर ही गिनती कर पंचनामा तैयार कर लिया गया है। कृषि अधिकारी निराली आर्य ने बताया जिस ब्रांड का आर्गेनिक खाद मिला। उनके प्रतिनिधि से संपर्क कर पूछा तो उनकी कंपनी का माल है जिसे पहचानने से इंकार कर दिया। ऐसी आशंका है कि ऑर्गेनिक खाद के नाम पर नकली मिलावटी भी हो सकता है। उक्त कृत्य आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 का स्पष्ट उल्लंघन है जो उर्वरक की कालाबाजारी की ओर संकेत करता है। इस मामले में पुलिस ने पिकअप ड्राइवर आदिल शाह (निवासी राधाकृष्ण वार्ड, पिपरिया) और आयशर ड्राइवर संजय (निवासी बेटमा, जिला इंदौर) को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया है।

माधव टाइगर रिजर्व के पास मिला ग्रामीण का शव, मादा टाइगर एमटी-6 के हमले की आशंका

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। माधव टाइगर रिजर्व से सटे ग्राम ऐरावन में दोपहर एक ग्रामीण का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। यह शव टाइगर ट्रेकिंग टीम को मिला जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया मृतक की पहचान करीब 50 वर्षीय सरवन आदिवासी के रूप में की गई है जो पिछले दो दिनों से लापता था। घटनास्थल के आसपास मादा टाइगर एमटी-6 की मौजूदगी दर्ज की गई है जिससे जंगली जानवर के हमले की आशंका बढ़ गई है। मौके पर नहाने का सामान, कपड़े और अन्य वस्तुएं बिखरी मिलीं जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक नदी के पास गया होगा। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस टीम मौके पर पहुंची शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया जंगली जानवर के हमले की संभावना जताई जा रही है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी बाकी है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। फिलहाल वन विभाग और पुलिस दोनों ही इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटे हुए हैं।

शिवपुरी में पलटी कार, 5 दोस्तों में एक की मौत :दो युवती समेत चार घायल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नोहरी इलाके में रेलवे पुल के पास शुक्रवार रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो युवतियों सहित चार लोग घायल हो गए। घायलों में दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। कार क्रमांक UP 80 FV 2581 में मयंक भदौरिया (26 आगरा), प्रवीण सिंह (28 आगरा), अभय सिंह (21 नोएडा), प्रियांशी राठौर (28 आगरा) और दीक्षा सेनी (28 हनुमानगढ़, राजस्थान) सवार थे। ये सभी आगरा से उज्जैन में महाकालेश्वर के दर्शन के लिए जा रहे थे शिवपुरी के पास खराब सड़क और वन-वे व्यवस्था के कारण कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में मयंक भदौरिया की घटनास्थल पर ही मौत हो गई गंभीर रूप से घायल प्रियांशी राठौर और प्रवीण सिंह को ग्वालियर रेफर किया गया है अभय सिंह और दीक्षा सेनी का इलाज शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में चल रहा है घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में समर स्पार्क समर कैंप का उत्साहपूर्ण शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शहर के प्रतिष्ठित एवं मानक शैक्षणिक संस्थान, दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में 'समर स्पार्क' समर कैंप का शुभारंभ अत्यंत उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कैंप के प्रथम दिवस पर विद्यालय परिसर बच्चों की ऊर्जा हंसी और रचनात्मक गतिविधियों से सराबोर नजर आया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी छुपी प्रतिभाओं को निखारना है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:कालीन सभा में प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण के साथ हुई। तत्पश्चात शिक्षकों द्वारा सभा का संचालन किया गया, जिसमें वरिष्ठ अंग्रेज़ी शिक्षक राज की विशेष भूमिका रही। प्रथम दिवस पर बच्चों के लिए आकर्षक जुंबा सेशन आयोजित

किया गया जिसमें उन्होंने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वयं को ऊर्जावान महसूस किया। इसके बाद क्रिकेट गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने खेल भावना, टीमवर्क एवं अनुशासन के महत्व को समझा। रचनात्मकता को बढ़ावा देने हेतु आयोजित आर्ट एंड क्राफ्ट सत्र में बच्चों ने रंगों और आकृतियों के माध्यम से अपनी कल्पनाशक्ति को अभिव्यक्त किया। पॉटरी मेकिंग गतिविधि ने उन्हें मिट्टी के साथ कार्य करने का अनोखा अनुभव प्रदान किया, जिससे उनकी सृजनात्मकता और धैर्य का विकास हुआ।

नर्मदा लोक का टेंडर निरस्त करने का अल्टीमेटम: नपाध्यक्ष बोली- ठेकेदार नहीं सुन रहे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में 20 करोड़ रुपए से बनने वाला में नर्मदा लोक का कार्य अधर में लटक गया है। भूमिपूजन के तीन माह बीतने के बाद पहले चरण का शुरू हुआ लेकिन रफ्तार धीमी है नपाध्यक्ष नीतू यादव का कहना है कि ठेकेदार नगर पालिका की नहीं सुन नहीं रहा। धीमी रफ्तार और नहीं सुनने की वजह से नगर पालिका ने कुशल गुरु कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार पवन शर्मा को दिया टेंडर निरस्त करने का निर्णय ले लिया है जिसका पत्र भी नगर पालिका ने ठेकेदार को मेल कर दिया है जल्द ऑनलाइन टेंडर निरस्त होगा खास बात यह है कि नर्मदा लोक का टेंडर लेने वाली फर्म के ठेकेदार पवन शर्मा भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष भी है। टेंडर निरस्त के निर्णय की जानकारी मिलते ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विधायक और प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद टेंडर निरस्त करने की बात फिलहाल टल गई है। साथ ही कलेक्ट्रेट में इस संबंध में बैठक बुलाई गई है। बैठक में जनप्रतिनिधियों व कलेक्टर की मौजूदगी में नपा और एजेंसी दोनों अपना-अपना पक्ष रखेंगे इस बैठक के बाद ही नर्मदा लोक के संबंध में कोई ठोस हल निकलेगा। नर्मदा जयंती पर 25 जनवरी 2026 मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किए नर्मदा लोक का भूमिपूजन किया था। तीन माह बाद भी पर्यटन घाट के पास पार्किंग के लिए धीमी गति से कार्य शुरू हुआ। जिसके चलते नगर पालिका अध्यक्ष, परिषद और अधिकारियों ने टेंडर को निरस्त का निर्णय लिया जिसका पत्र भी ठेकेदार को 22 अप्रैल को मेल किया। ऑनलाइन टेंडर निरस्त होने की प्रक्रिया शेष है। सीएमओ हेमेश्वरी पटले ने बताया कि ठेकेदार को करीब 4 नोटिस दिए थे लेकिन काम नहीं होने के कारण टेंडर को निरस्त कर रहे है। नपाध्यक्ष नीतू यादव ने ठेकेदार द्वारा नहीं सुनने की अपनी पीड़ा भी बताई है। उनका आरोप है कि बार बार पत्र लिखने के बावजूद ठेकेदार नगर पालिका की नहीं सुन रहे। ठेकेदार पवन शर्मा का कहना है कि हमारा काम चल रहा है। नगर पालिका उन्हें सहयोग नहीं कर रही। हमें परेशान कर रही है। नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा मां नर्मदा जन्मोत्सव पर जल मंच से 3 साल पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा लोक की घोषणा की थी। 3 साल पूरे हो चुके हैं चौथे साल में 25 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के हाथ से भूमिपूजन कराया। जिसे तीन महीने पूरे हो गए। एक प्रतिशत काम भी ठेकेदार द्वारा नहीं किया गया। नपा अध्यक्ष नीतू यादव की दिल की बात जुंबा पर आई उन्होंने कहा हमारा सपना है कि जब भूमिपूजन हमने किया तो लोकार्पण भी हम ही करें। लेकिन कार्य नहीं होगा तो वह अधूरा ही रहेगा। यही कारण है कि हमने उसके टेंडर निरस्त ठेकेदार नगर पालिका की नहीं सुन राज इसलिए टेंडर निरस्त करने का निर्णय लिया है।

3.24-लाख का सागौन-साल की लकड़ी जब्त :वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने की छापेमारी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। वन विभाग के उड़नदस्ता दल ने इमारती लकड़ियों की तस्करी पर कार्रवाई की है। संयुक्त टीम ने पुलिस के साथ दबिश देकर 3 लाख 24 हजार रुपए कीमती सागौन साल और शीशम की लकड़ी जब्त की है इस कार्रवाई से पहले ही तस्कर मौके से फरार हो गया टीम उसकी तलाश कर रही है। मुख्य वन संरक्षक और वनमंडल अधिकारी को कोटा वन परिक्षेत्र में जंगलों की अवैध कटाई कर इमारती लकड़ियों के तस्करी करने की जानकारी मिल रही थी।इस पर अफसरों ने विभाग के मैदानी अमले को मुखबिर लगाकर तस्करों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए। इस दौरान टीम को जानकारी मिली कि कोटा वन परिक्षेत्र से सागौन, साल और शीशम जैसे कीमती लकड़ियों को काटकर भंडारण किया गया है। अफसरों के निर्देश पर वन विभाग के उड़नदस्ता और पुलिस की संयुक्त टीम ने सर्च वारंट के आधार पर तखतपुर विकासखंड के अमलीकांपा गांव में पिंकू खांडे और गीता खांडे के घर दबिश दी। इस दौरान टीम ने घर की तलाशी ली तभी बाड़ी में बड़ी मात्रा में अवैध लकड़ी और एक रमदा मशीन बरामद हुई। जब्त वनोपज में 2.372 घन मीटर सागौन, 0.794 घन मीटर साल और 0.040 घन मीटर शीशम शामिल है। जब्त की गई लकड़ी की कुल कीमत करीब 3 लाख 24 हजार 370 रुपए आंकी गई है।

महिला आरक्षण बिल को लेकर विधायक गोमती साय ने प्रेस वार्ता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले के चिरमिरी स्थित भाजपा मंडल कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में गोमती साय ने महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन द्वारा बिल का विरोध कर इसे पास नहीं होने देना देश की महिलाओं के साथ धोखा है।पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा महिला सशक्तिकरण की बात तो की लेकिन जब 33 प्रतिशत आरक्षण देने का अवसर आया तो उन्होंने इसका विरोध किया। उनका कहना था कि केंद्र की

भाजपा सरकार महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए यह महत्वपूर्ण बिल लेकर आई थी जिससे देशभर की महिलाओं को सीधा लाभ मिलता।उन्होंने आगे कहा कि यदि यह बिल पास हो जाता तो संसद और विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक अवसर मिलते।लेकिन विपक्ष के रवैये के कारण यह संभव नहीं हो सका। इस मुद्दे को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भी आक्रोश देखा गया। वहीं राजनीतिक गलियारों में महिला आरक्षण बिल को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब यह देखना होगा कि भविष्य में इस मुद्दे पर क्या सहमति बनती है और महिलाओं को आरक्षण का लाभ कब तक मिल पाता है।

सिंधिया का 3 दिवसीय शिवपुरी दौरा: छात्रावास, पंचायत भवन, सीवेज प्लांट और अदानी सीएसआर प्रोजेक्ट का उद्घाटन करेंगे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 25 अप्रैल से तीन दिन के शिवपुरी दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जिले में कई विकास कार्यों के भूमिपूजन और उद्घाटन के साथ-साथ जनसुनवाई, प्रेस कॉन्फ्रेंस और विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। अदानी सीएसआर परियोजना का उद्घाटन भी इस दौरे का प्रमुख आकर्षण रहेगा।

25 अप्रैल: कोलारस से बदरवास तक विकास कार्यों की शुरुआत: सिंधिया सुबह 10:40 बजे टूरिस्ट विलेज शिवपुरी से कोलारस के न्यू बस स्टैंड पहुंचेंगे। यहां वे प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बालक-बालिका छात्रावास, जनपद पंचायत भवन, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, नए बस स्टैंड और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भूमिपूजन एवं उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वे एप्रोच रोड और जैन बस्ती कोलारस में स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 12:35 बजे लुकवासा में जनसुनवाई करेंगे। दोपहर 2:50 बजे बदरवास के बुडा डोंगर में अदानी सीएसआर परियोजना का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद सीएम राइज स्कूल परिसर में जनपद पंचायत भवन, आईटीआई भवन और छात्रावासों के भूमिपूजन एवं उद्घाटन होंगे। शाम होते-होते रन्नौद में तहसील भवन और 30 किमी लंबी सड़क परियोजना का भूमिपूजन होगा। रात तक गणेश कॉलोनी, फतेहपुर, रातौर, कृष्णपुरम कॉलोनी और झांसी तिराहा क्षेत्र में स्थानीय कार्यक्रम चलेंगे। रात्रि विश्राम टूरिस्ट विलेज में होगा।

26 अप्रैल: कलेक्ट्रेट से लेकर शहर तक विकास कार्यों की झड़ी: सुबह 10:10 बजे कलेक्ट्रेट में दिशा बैठक और प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। दोपहर में भोंती में जनसुनवाई और पिछोर में स्थानीय कार्यक्रम के बाद तहसील भवन का उद्घाटन किया जाएगा। शाम 6:30 बजे सीएम राइज स्कूल शिवपुरी में बड़े पैमाने पर विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन होगा जिसमें शामिल हैं इसके बाद शहर के वृंदावन कॉलोनी, न्यू पुलिस कंट्रोल रूम, पुरानी शिवपुरी, कोर्ट रोड, सिद्धेश्वर कॉलोनी और फिजिकल रोड क्षेत्र में देर रात तक कार्यक्रम होंगे।

27 अप्रैल: मेधावी छात्रों से संवाद के साथ दौरे का समापन: सुबह टूरिस्ट विलेज में नाश्ते के बाद सिंधिया जिले के मेधावी छात्रों से संवाद करेंगे इसके बाद ग्राम कोटा भगोरा में जनसुनवाई और एनटीपीसी कॉलेज सतनवाड़ा में इंजीनियरिंग कॉलेज का निरीक्षण व छात्रों से बातचीत करेंगे। इसके बाद वे ग्वालियर के लिए रवाना होंगे।

बस ने 3 बाइक सवारों को कुचला, एक की मौत: दो युवक घायल परिजनों ने किया सड़क जाम, पुलिस के समझाने पर हटे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के नौगांव थाना क्षेत्र में बुंदेलखंड पेट्रोल पंप के सामने देर शाम तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी, जिसमें मऊसानिया निवासी 16-17 वर्षीय आकाश अहिरवार की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हुए और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

तेज रफ्तार बस ने मारी टक्कर: नौगांव में देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। छतरपुर से दिल्ली जा रही राधा स्वामी ट्रैवल्स की यात्री बस ने आगे चल रही अपाचे बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इस हादसे में मऊसानिया निवासी 16-17 वर्षीय आकाश अहिरवार की मौके पर ही मौत हो गई। वह बाइक पर पीछे बैठा हुआ था। हादसा इतना गंभीर था कि उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला।

दो युवक घायल, अस्पताल में भर्ती: बाइक चला रहा युवक और एक अन्य साथी इस हादसे में घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया गया है कि तीनों युवक मऊसानिया से नौगांव की ओर एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में ही यह हादसा हो गया, जिससे खुशी का माहौल मातम में बदल गया।

बस में सवार थे 50 से ज्यादा यात्री: हादसे के समय बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे। टक्कर के बाद बस कुछ दूरी पर रुक गई और यात्रियों में भी कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। इसी वजह से वह बाइक को टक्कर मार बैठा।

परिजनों ने किया विरोध, लगाया जाम : हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन और स्थानीय लोग नौगांव थाने पहुंचे। उन्होंने बस चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाइश दी और स्थिति को शांत कराया। काफी समझाने के बाद जाम खुलवाया गया।

बस जब्त, जांच जारी

पुलिस ने बस को जब्त कर थाने में खड़ा कर दिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके। साथ ही ब्लैक स्पॉट की पहचान भी की जा रही है।

दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषी चालक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले को गंभीरता से लिया गया है। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों को सामने लाता है। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्ती जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

मंदसौर में घर के किचन में लगी आग :3 घंटे बाद काबू पाया फायर ब्रिगेड नहीं पहुंची, पुलिस-ग्रामीणों ने बुझाई

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के भावगढ़ थाना क्षेत्र के बेहपुर गांव में शनिवार सुबह एक घर में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग गोपाल कुमावत के मकान के पास बने चद्दर के शेड वाले किचन में लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। आगजनी की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, वहीं पुलिस भी मौके पर पहुंची और राहत कार्य में जुट गई। बताया जा रहा है कि नगरी की फायर ब्रिगेड वाहन रिपेयरिंग के लिए गया हुआ था, जिसके चलते समय पर दमकल नहीं पहुंच सकी। ऐसे में ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आगजनी में किचन में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया, जिससे काफी नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। हालांकि आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आग पर काबू पा लिया गया है।

रतलाम में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध : आदेश का उल्लंघन करने पर 15 हजार तक जुर्माना; सेटेलाइट में दर्ज हुईं 150 घटनाएं

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम जिले में रबी फसल की कटाई के बाद खेतों में नरवाई (खापे) जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव ने पर्यावरण और जन-धन की सुरक्षा के मद्देनजर यह आदेश जारी किया है। नियम तोड़ने वालों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी।

रकबे के हिसाब से 2500 से 15000 रुपए तक की पेनाल्टी: आदेश का उल्लंघन करने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के रूप में जुर्माना वसूला जाएगा। दो एकड़ तक की भूमि पर आग लगाने पर 2500 रुपए प्रति घटना दंड लगेगा। 2 से 5 एकड़ तक के रकबे पर 5000 और पांच एकड़ से अधिक जमीन होने पर सीधे 15 हजार रुपए देने होंगे।

हार्वेस्टर के लिए SMS या स्ट्रॉ रीपर अनिवार्य: खेतों में अवशेष न बचें, इसके लिए कटाई के दौरान हार्वेस्टर मशीनों में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रॉ रीपर का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है।

सेटेलाइट डाटा में 150 से अधिक घटनाएं सामने आईं: कलेक्टर मिशा सिंह पूर्व में ही इस संबंध में रोक लगा चुकी हैं। इसके बावजूद सेटेलाइट आंकड़ों के अनुसार जिले में अब तक 150 से अधिक खेत आगजनी के मामले आ चुके हैं, जिनसे गर्मी और हवा के कारण भीषण हादसे का खतरा बना रहता है।

नर्मदापुरम में डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत ग्रामीणों ने ढ़ाई घंटे शव रख चक्काजाम; मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में ड्यूटी से लौटते समय हादसा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार रात 9 बजे एक डंपर की टक्कर से बाइक चालक की मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि मौके पर ही घायल ने दम तोड़ दिया। घटनास्थल पर खून का ढेर लग गया। मृतक की पहचान मडावन ग्राम के प्रीतम अहिरवार के रूप में हुई। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीणों को भीड़ लग गई। ग्रामीण आक्रोशित हो गए और चक्काजाम लगा दिए। कुछ देर बाद माखननगर थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके बल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग को लेकर ग्रामीण अड़े रहे। जिसके चलते रात करीब 12 बजे तक भी शव को सड़क किनारे से नहीं हटाया गया था। मौके पर एंबुलेंस और पुलिस की गाड़ी मौके पर ही खड़ी रही। पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा। मोहासा इंडस्ट्रियल के एंट्री गेट पर जाम लगने से गाड़ियां खड़ी रही।

कंपनी के प्रतिनिधि को बुलाकर आश्वासन देने की मांग पर अड़े: मडावन के रहने वाला मृतक प्रीतम अहिरवार परमेशु बायोटेक के चल रहे प्लांट के सिविल वर्क में काम करता था। रात 9 बजे ड्यूटी से बाइक से लौटने के दौरान ग्रीन टैक प्लांट के पीछे एमपीआईडीसी की पांच नम्बर पानी की टंकी के पास एक डंपर ने टक्कर मारी। मृतक टकराकर नीचे गिर गए। सिर में चोट लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही माखननगर थाने से पुलिस स्टॉफ मौके पर पहुंचा। शव पोस्टमार्टम के लिए माखननगर ले जा रहे थे। परिजन और ग्रामीण ने शव को मोहासा इंडस्ट्रियल एरिया के मेन गेट पर शव रख, चक्काजाम करने लगे। परिजनों ने मांग की कि जिस कंपनी में मृतक काम करता था। उनके प्रतिनिधि को बुलाकर मुआवजा और नौकरी दी जाएं। एसडीएम जय सोलंकी के पहुंचने पर समझाइश दी। जिसके बाद शव को उठाया गया।

कार से 26 पेटी अवैध शराब पकड़ाई इटारसी में 2 आरोपी गिरफ्तार, एक की तलाश जारी

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी पुलिस ने बैतूल मार्ग पर एक सफेद टाटा कार को रोककर 26 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। इस कार्रवाई में पुलिस ने शराब और कार समेत कुल 6.45 लाख रुपए का सामान जब्त किया है। मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि शराब का असली मालिक फिलहाल फरार है। 24 अप्रैल को पुलिस को खबर मिली थी कि एक कार में शराब भरकर इटारसी लाई जा रही है। पुलिस ने पथरोटा पुलिया के पास घेराबंदी की। तभी सफेद रंग की एक टाटा कार (MP 04 CW 0952) आती दिखी। पुलिस को देखते ही ड्राइवर ने गाड़ी

को कच्चे रास्ते पर उतारकर भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पीछा करके उन्हें रोक लिया।

कार में मिली 241 लीटर शराब: कार की तलाशी लेने पर उसमें से 26 पेटी देसी और विदेशी शराब निकली, जो करीब 241 लीटर थी। पुलिस ने मौके से अब्दुल जाहिद और हेमंत राजपूत को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने बताया कि यह शराब भाट मोहल्ला निवासी संदीप मिहानी की है। पुलिस ने संदीप को भी आरोपी बनाया है और उसकी तलाश कर रही है।

जब्त सामान और आगे की कार्रवाई: पुलिस ने 6.45 लाख रुपए कीमत की शराब और कार को अपने कब्जे में ले लिया है। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे इटारसी में किन ठिकानों पर बेचा जाना था। फरार आरोपी संदीप की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें भेजी गई हैं।

सागर में 2 बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत 7 साल की बच्ची और युवक की मौत 3 घायल; बीना मार्ग पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर-बीना मार्ग पर जरुआखेड़ा के पास दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में 7 वर्षीय बच्ची और एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। एक बाइक पर खुरई के वन खिरिया निवासी राहुल सिंह सवार थे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बाइक पर धरमपुर निवासी रामदास कुशवाह, सोनू कुशवाह, संध्या पटेल और उनकी बेटी श्रद्धा सवार थीं। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे की है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

PHC ले जाए गए घायल, सागर में बच्ची ने तोड़ा दम: हादसे के तुरंत बाद सागर से लौट रही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। एंबुलेंस के ईएमटी सुरेंद्र प्रजापति और पायलट प्रहलाद यादव ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जरुआखेड़ा पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को सागर रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान 7 वर्षीय श्रद्धा ने भी दम तोड़ दिया।

रेलवे ने चलाई तीन जोड़ी अनारक्षित ट्रेन उधना-जयनगर के बीच चलेगी रतलाम में रहेगा स्टॉपेज

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। यात्रियों की सुविधा एवं समर वेकेशन के दौरान बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे तीन जोड़ी स्पेशल अनारक्षित ट्रेन चलाने जा रहा है। यह ट्रेनें रतलाम रेल मंडल से होकर चलेगी।

गाड़ी संख्या 09007 उधना दानापुर स्पेशल 26 अप्रैल रविवार को उधना से 1.30 बजे चलेगी। अगले दिन 12 बजे दानापुर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (08.17/08.18 रविवार) एवं उज्जैन 10.47/10.57) बजे आगमन-प्रस्थान होगा।

गाड़ी संख्या 09008 दानापुर उधना स्पेशल 27 अप्रैल सोमवार को दानापुर से 15 बजे चलेगी। अगले बुधवार को 1.15 बजे उधना रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का उज्जैन (17.17/17.20, मंगलवार) एवं रतलाम (19.40/19.45) बजे आगमन-प्रस्थान होगा।

उधना-जयनगर-उधना: गाड़ी संख्या 09003 उधना जयनगर स्पेशल 26 अप्रैल रविवार को उधना से 00.30 बजे चलेगी। सोमवार को 20 बजे जयनगर पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (07.17/07.27, रविवार) एवं उज्जैन (09.47/09.57) बजे आगमन-प्रस्थान होगा।

गाड़ी संख्या 09004 जयनगर उधना स्पेशल 27 अप्रैल सोमवार को जयनगर से 23 बजे चलेगी। बुधवार को 16.30 बजे उधना पहुँचेगी। इस ट्रेन का उज्जैन (08.29/08.32) एवं रतलाम (10.52/10.57) बजे आगमन-प्रस्थान होगा।

उधना-दानापुर-उधना: गाड़ी संख्या 09021 उधना दानापुर स्पेशल 26 अप्रैल रविवार को उधना से 14.30 बजे चलेगी। मंगलवार को रात्रि 1 बजे दानापुर पहुंचेगी।

मेरे प्लॉट पर कब्जा, इसलिए झूठे आरोप लगाए

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के मूंदी स्थित देवश्री होटल के संचालक देवेंद्र राठौर ने जनसुनवाई में अपने ऊपर लगे सेक्स रैकेट चलाने के आरोपों को निराधार बताया है। कारोबारी ने कलेक्टर को आवेदन देकर शिकायत करने वाली दो महिलाओं पर उनकी निजी जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया है। राठौर के अनुसार, जमीन खाली करने का कहने पर महिलाओं ने उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर यह मनगढ़ंत शिकायत की है। प्रशासन अब मामले और जमीन विवाद की जांच कर रहा है।

कियोस्क पर आने वाले ग्राहकों का वीडियो बनाकर किया बदनाम: देवेंद्र राठौर मूंदी नगर परिषद में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं। केनूद रोड पर जिस घर में वे रहते हैं, उसी के अंदर उनका होटल और ऑनलाइन कियोस्क सेंटर संचालित होता है। राठौर ने बताया कि उनके कियोस्क पर दिनभर स्कूल-कॉलेज की छात्राएं और अन्य ग्राहक ऑनलाइन काम के लिए आते हैं। आरोप है कि मंगलवार को शिकायत करने वाली महिलाओं ने इन्हीं ग्राहकों के वीडियो बना लिए और उन्हें सेक्स रैकेट से जोड़कर बदनाम किया जा रहा है।

4 फीट रास्ता दिया, फिर भी हड़पना चाहती हैं प्लॉट: विवाद का मुख्य कारण जमीन पर अवैध कब्जा है। राठौर के अनुसार, उनके घर के पड़ोस और पीछे की ओर दो प्लॉट हैं, जिन्हें उन्होंने लाखों रुपए देकर खरीदा है। इन पर शीलाबाई (पति चैनसिंह) और रानू (पति रवि उईके) ने टपरी बनाकर कब्जा कर रखा है। कब्जा हटाने के दौरान हुए विवाद में सामाजिक लोगों के कहने पर राठौर ने उन्हें 4 फीट का रास्ता भी दे दिया था। इसके बावजूद वे पूरी जमीन हड़पना चाहती हैं। कारोबारी ने अब इन कब्जेदार महिलाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

2 महीने पहले पकड़ा था 792 किलो नकली घी दो माह बाद भी मास्टरमाइंड आजाद, सीहोर में सांची के नाम पर चल रही थी फैक्ट्री

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के जावर थाना क्षेत्र अंतर्गत डोडी गांव में 24 फरवरी को पकड़ी गई नकली घी की फैक्ट्री के मामले में दो महीने बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। राजस्व और खाद्य सुरक्षा (फूड सेफ्टी) विभाग की टीम ने एक किराए के मकान पर छापा मारकर 792 किलोग्राम नकली घी, सांची ब्रांड के रैपर और वनस्पति घी के डिब्बे जब्त किए थे।

वर्तमान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग को घी के सैंपलों की लैब रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट और विभागीय प्रतिवेदन के अभाव में पुलिस भी मामले में कोई ठोस कानूनी कार्रवाई नहीं कर पा रही है, जिससे मुख्य आरोपी खुलेआम घूम रहा है।

कल्याणपुरा के गौरव ने किराए पर लिया था मकान: जानकारी के अनुसार, जावर के डोडी गांव में मानसिंह के मकान में नकली घी बनाने का यह कारखाना चल रहा था। इस मकान को कल्याणपुरा निवासी गौरव ने किराए पर लिया था, जहां वह प्रतिष्ठित ब्रांड 'सांची' के नाम पर नकली घी तैयार कर रहा था। 24 फरवरी को जावर तहसीलदार ओमप्रकाश चौरमा और फूड सेफ्टी विभाग की निरीक्षक कीर्ति मालवीय ने संयुक्त रूप से मकान पर कार्रवाई की थी। टीम ने मौके से 792 किलोग्राम नकली घी व अन्य सामग्री बरामद करने के बाद कमरों को सील कर दिया था।

2 महीने से जांच अधूरी, कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल: छापामार कार्रवाई को लगभग दो माह बीत चुके हैं, लेकिन नकली घी बनाने वाला मुख्य आरोपी गौरव अभी भी आजाद है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने इस मामले में अब तक अपनी जांच पूरी नहीं की है। विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) न मिलने के कारण स्थानीय पुलिस भी एफआईआर या गिरफ्तारी जैसी कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पा रही है। इस लेटलतीफी के चलते विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

तहसीलदार बोले- हमारा काम सिर्फ सहयोग का था

मामले की जांच को लेकर जावर तहसीलदार ओमप्रकाश चौरमा ने बताया, 'यह काम फूड सेफ्टी विभाग का है। वे तो केवल सहयोग के लिए गए थे और उन्हें इस संबंध में ज्यादा जानकारी नहीं है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने नमूने लिए हैं और वे ही इस बारे में बता सकते हैं। '

फूड इंस्पेक्टर ने कहा- अभी तक रिपोर्ट नहीं आई

इस संबंध में फूड सेफ्टी विभाग की निरीक्षक कीर्ति मालवीय ने बताया, 'घी के सैंपल लेकर लैब में भेजे गए थे, लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं आई है। सांची कंपनी को भी इस बारे में सूचित कर दिया है।' लैब की रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरसीबी की जीत के बाद सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा

अगर आप उसे टीम से बाहर करेंगे तो वह आपको इसका खामियाजा भुगतने पर मजबूर कर देगा।

मुंबई, एजेंसी।। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की मैच जिताऊ पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि पारी की शुरुआत में छूटा एक कैच महंगा साबित हुआ क्योंकि किंग कोहली ने एक बार फिर अपनी लक्ष्य का पीछा करने की महारत का प्रदर्शन किया।

स्टार स्पोर्ट्स पर बोलते हुए, जियोस्टार के विशेषज्ञ गावस्कर ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आरसीबी की सफल रन चेज़ में निर्णायक मोड़ का विश्लेषण किया, जिसमें पारी की शुरुआत में विराट कोहली द्वारा छोड़े गए एक महत्वपूर्ण कैच पर प्रकाश डाला गया।

'सिराज की गेंदबाजी पर विराट कोहली का जो कैच छूटा, उससे गुजरात टाइटन्स को काफी नुकसान हुआ,' गावस्कर ने कहा।

उन्होंने आधुनिक क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ चेज़ बल्लेबाजों में से एक के रूप में कोहली की प्रतिष्ठा को रेखांकित किया। गावस्कर ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि उन्हें सिर्फ किंग के रूप में ही नहीं जाना जाता, बल्कि चेज़ मास्टर के रूप में भी जाना जाता है। '

गावस्कर ने कहा कि शुरुआती जीवनदान निर्णायक साबित हुआ। उन्होंने कहा, 'अगर आप उसे पहली ही गेंद पर जीवनदान देते हैं, तो वह निश्चित रूप से आपको इसकी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगा। उसने ठीक यही किया। '

उन्होंने आगे कहा कि कोहली की बड़े स्कोर का पीछा करने की क्षमता उनके करियर की एक प्रमुख विशेषता रही है। गावस्कर ने कहा, 'बड़े स्कोर का आसानी से पीछा करना विराट की पूरे करियर में उनकी बल्लेबाजी की खासियत रही है। '

पूर्व भारतीय कप्तान ने यह भी संकेत दिया कि जीटी को इस मौके को गंवाने का अफसोस हो सकता है, खासकर मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए। उन्होंने कहा, 'एक समय गेंद थोड़ी फिसल रही थी। गेंद थोड़ी पुरानी हो जाने के बाद यह इतना आसान नहीं होता। '

अपने विश्लेषण का समापन करते हुए, गावस्कर ने कोहली की शालीनता और दबाव में उनकी निरंतरता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'यह खिलाड़ी खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक है। उन्होंने इसे बेहद आसान बना दिया।

गांव की गलियों से लेकर वैश्विक ट्रैक तक: संगरूर की स्प्रिंटर रशदीप कौर को भारतीय टीम में जगह मिली

दिल्ली, एजेंसी। संगरूर के गांधुआन गांव के एक साधारण परिवार से उभरकर आई 23 वर्षीय रशदीप कौर को दक्षिण अफ्रीका में होने वाली विश्व रिले प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है, जहां वह 4म400 मीटर मिश्रित वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

उत्तर प्रदेश और केरल की टीम की साथी खिलाड़ियों के साथ रिले टीम में पंजाब की एकमात्र महिला एथलीट, रशदीप की यात्रा केवल ट्रैक पर गति के बारे में नहीं है, बल्कि त्याग और अटूट विश्वास के बारे में भी है।

महज दो एकड़ जमीन के मालिक एक छोटे किसान के घर जन्मे रशदीप के शुरुआती साल आर्थिक कठिनाइयों से भरे थे।

उनकी मां गुरपिंदर कौर अपनी बेटी के प्रशिक्षण के दिनों में बुनियादी पोषण सुनिश्चित करने के संघर्ष को याद करती हैं। उन्होंने बताया, 'हमारे पास ज्यादा कुछ नहीं था, लेकिन हमने कभी उसके सपनों को मरने नहीं दिया। '

आर्थिक तंगी के बावजूद, वे कभी नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी दूसरों पर निर्भर रहे।

'उन्होंने हमेशा मुझसे कहा था कि किसी से मदद मत लेना। उन्होंने किसी तरह मुझे पैसे भेजने का इंतजाम

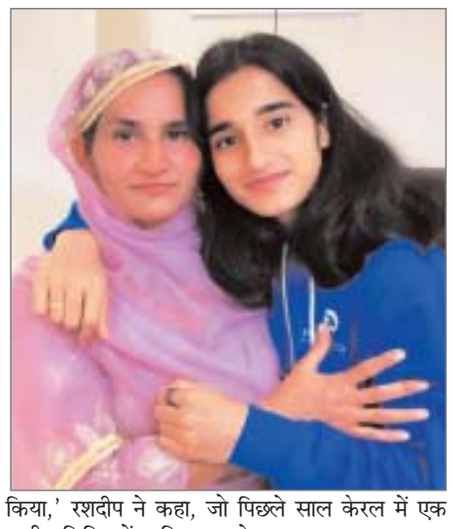

किया,' रशदीप ने कहा, जो पिछले साल केरल में एक राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए थे।

वह इन बलिदानों से भलीभांति अवगत हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे पिता अक्सर अस्वस्थ रहते हैं, लेकिन मेरे परिवार ने अपनी चिंताओं को छिपाकर रखा ताकि मैं अपना ध्यान केंद्रित रख सकूं। '

अब उसका दिन सूर्योदय से पहले शुरू होता है, जो कठिन प्रशिक्षण सत्रों से भरा होता है। यह दिनचर्या बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन रशदीप के लिए यह उस सपने को पूरा करने की एक छोटी सी कीमत है जिसे वह वर्षों से संजो रही है।

रशदीप की एथलेटिक्स की यात्रा अप्रत्याशित रूप से शुरू हुई।महज आठ या नौ साल की उम्र में, वह खो-खो खेल रही थी जब उसकी स्वाभाविक गति ने सबका ध्यान आकर्षित किया। उस पल ने सब कुछ बदल दिया। इसके तुरंत बाद, उसने स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया और कई ट्रॉफियां और पदक जीते।

वह 11 साल की उम्र में जालंधर चली गई और नेहरू गार्डन स्कूल में दाखिला लिया।

उनकी तत्कालीन प्रधानाचार्या, जो अब जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) गुरिंदरजीत कौर हैं, ने याद करते हुए कहा, 'पहले ही दिन से वह सबकी चहेती बन गई। अपनी कठिनाइयों के बावजूद, वह लगातार आगे बढ़ती रहीं, जिसने हम सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। '

जालंधर में उनका समय केवल प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं था। पांच साल पहले, वह उन युवा एथलीटों के समूह में शामिल थीं जिन्होंने खेल महाविद्यालय के 25 साल पुराने ट्रैक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। उनके प्रयासों का फल मिला और अंततः एक आधुनिक सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण हुआ।

माँ उसके पास खड़ी रही उनकी सफलता के पीछे उनकी मां का शांत स्वभाव और दृढ़ संकल्प है। एक ऐसे गांव में जहां सामाजिक अपेक्षाएं अक्सर लड़कियों को खेलकूद में आगे बढ़ने से रोकती हैं, गुरपिंदर कौर ने वर्षों पहले आलोचना और ताने सहे।

'लोगों ने मुझसे सवाल किया कि मैं अपनी बेटी को खेलने क्यों देती हूँ। लेकिन मैंने उनकी बातों को अनसुना कर दिया। आज वही लोग रशदीप की तारीफ करते हैं,' उन्होंने आगे कहा।

इस बीच, युवा एथलीट एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखती है, लेकिन उसका सबसे प्रिय लक्ष्य घर के करीब ही है।

'मेरी मां ने एक बार कहा था कि वह गांव में एक सुंदर घर चाहती हैं, एक ऐसा घर जिसे लोग मेरे घर के रूप में पहचान सकें,' उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

आईपीएल 2026 के दौरान पीबीकेएस के अर्शदीप सिंह ने युवा प्रशंसकों से अनौपचारिक मुलाकात की

दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स और टीम इंडिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बच्चों के एक समूह से मुलाकात की और उनसे बातचीत की और उनके सामने आए हर सवाल का जवाब दिया - यह सब पंजाब किंग्स की नई सोशल मीडिया सीरीज 'द रियल किंग्स' के हिस्से के रूप में हुआ। एक विज्ञप्ति के अनुसार, नाममोहो दान फाउंडेशन और फूल वर्षा फाउंडेशन के सहयोग से एक स्थानीय गैर सरकारी संगठन के बच्चों ने अर्शदीप सिंह से एक ऐसे माहौल में मुलाकात की जो एक साथ सहज और हृदयस्पर्शी था।

बिना किसी रोक-टोक और झिझक के, उन्होंने वे सवाल पूछे जो प्रशंसक शायद ही कभी पूछते हैं, और अर्शदीप ने उन सभी का जवाब अपने खास अंदाज में दिया।

मैदान के बाहर अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाने वाले अर्शदीप एक ऐसे क्रिकेटर हैं जो हर किसी पर अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। यह वीडियो उनके इसी पहलू को बखूबी दर्शाता है; वे ईमानदार, हंसमुख और अपने हास्यपूर्ण अंदाज में उन सवालों के जवाब देते हैं जो शायद सिर्फ बच्चे ही पूछ सकते हैं।

अर्शदीप, जो अपने सोशल मीडिया और मजेदार रीलों के माध्यम से अपने फॉलोअर्स के साथ जुड़ते हुए नजर आते हैं, ने सीमा से परे युवा प्रशंसकों के साथ जुड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

2020 में स्थापित, नाममोहोदान फाउंडेशन ने 'हस्ती मस्ती खेल' सहित संरचित कार्यक्रमों के माध्यम से कई शहरों में हजारों छात्रों को प्रभावित किया है, जो एक खेल-आधारित पहल है जो बच्चों में आत्मविश्वास और टीम वर्क का निर्माण करने के लिए लाइव मैच एक्सपोजर और सामुदायिक फैन जोन का उपयोग करती है।

आने वाले हफ्तों में 'द रियल किंग्स' में पंजाब किंग्स के और भी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो अपनी टीम और उन समुदायों के बीच वास्तविक संबंध बनाने की फ्रेंचाइजी की प्रतिबद्धता को जारी रखेगा जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं।

पंजाब किंग्स 25 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले मैच में घर से बाहर आईपीएल 2026 में अपनी अजेय बढ़त को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

सह-संस्थापक सुशील शर्मा कहते हैं 'बीआरपीएल का उद्देश्य छोटे शहरों की प्रतिभाओं को संरचित अवसर और पहचान प्रदान करना है।

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में शुरू की गई बियॉन्ड रीच प्रीमियर लीग (बीआरपीएल) का उद्देश्य छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को संरचित अवसर और पहचान प्रदान करके भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से चली आ रही खाई को पाटना है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह लीग इस विश्वास पर आधारित है कि प्रतिभा को पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, सही मंच के माध्यम से पोषित और प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

'बीआरपीएल को छोटे शहरों और ग्रामीण भारत के युवा खिलाड़ियों को वह देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जिसकी उन्हें अक्सर कमी होती है - संरचित अवसर और पहचान,' बियॉन्ड रीच प्रीमियर लीग (बीआरपीएल) के सह-संस्थापक और सीईओ सुशील शर्मा ने कहा।

उन्होंने आगे कहा, 'हम एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहे हैं जहां प्रतिभा का मूल्यांकन प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है, न कि पृष्ठभूमि या भौगोलिक स्थिति के आधार पर। संगठित टूर्नामेंट, पेशेवर प्रबंधन, डिजिटल दृश्यता और प्रतिस्पर्धी अवसरों के माध्यम से, बीआरपीएल इन खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक वास्तविक मंच प्रदान करता है। '

इसके संस्थापकों के लिए, प्रेरणा का स्रोत बचपन के वे दिन हैं जब वे टेनिस-बॉल क्रिकेट खेलते थे, एक ऐसा प्रारूप जो भारत के छोटे मैदानों और भीड़भाड़ वाली सड़कों पर खूब फलता-फूलता है।सुशील शर्मा ने कहा, 'बचपन में, मैं भारत भर के हजारों बच्चों की तरह छोटे मैदानों और स्थानीय गलियों में टेनिस की गेंद से क्रिकेट खेला करता था। मुझमें जुनून, विश्वास और खुद को साबित करने की भूख थी। हर मैच महत्वपूर्ण लगता था, हर रन किसी बड़ी उपलब्धि की ओर एक कदम जैसा लगता था। '

फिर भी, इस जोश के बावजूद, एक महत्वपूर्ण कमी बनी रही। 'लेकिन एक चीज गायब थी - एक उचित मंच। प्रतिभा दिखाने का कोई व्यवस्थित अवसर नहीं था, कोई पहचान नहीं थी, आगे बढ़ने का कोई रास्ता नहीं था। समय के साथ, मुझे एहसास हुआ कि केवल प्रतिभा ही काफी नहीं है। सपनों को दिशा चाहिए। कौशल को प्रदर्शन चाहिए। जुनून को अवसर चाहिए,' उन्होंने आगे कहा।

यह अहसास अंततः एक प्रतिबद्धता में बदल गया। 'जब मुझे अपने लिए वह मंच नहीं मिला, तो मैंने एक वादा किया कि एक दिन मैं इसे स्वयं बनाऊंगा। बीआरपीएल का जन्म उसी वादे से हुआ। यह मेरा वह तरीका है जिससे मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि जो सपने मेरे बचपन में अधूरे रह गए थे, वे अगली पीढ़ी के लिए अधूरे न रहें,' श्री सुशील शर्मा ने कहा।

बीआरपीएल का मूल उद्देश्य छोटे शहरों और ग्रामीण भारत के खिलाड़ियों को एक संरचित अवसर प्रदान करना है, ये ऐसे क्षेत्र हैं जो अक्सर प्रतिभा से समृद्ध होते हैं लेकिन उन्हें अवसर सीमित मिलते हैं।

लेकिन बीआरपीएल के लिए, सशक्तिकरण प्रदर्शन और स्कोरकार्ड से कहीं आगे तक फैला हुआ है।

'इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। यह अनुशासन और टीम वर्क सिखाता है। यह युवा खिलाड़ियों को पहचान और खुद पर विश्वास दिलाता है,' बीआरपीएल के संस्थापक ने कहा।

बीआरपीएल टेनिस-बॉल क्रिकेट की अछूती क्षमता में व्यापक विश्वास को भी दर्शाता है, जिसे जमीनी स्तर पर लंबे समय से सराहा जाता रहा है, लेकिन पेशेवर दृष्टिकोण से शायद ही कभी देखा गया है।

'जी हां, बिलकुल। टेनिस क्रिकेट की भारत भर में जमीनी स्तर पर जबरदस्त लोकप्रियता है। लोगों में इसके प्रति जुनून है। लोग इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इसे बस एक संरचना और दूरदर्शिता की जरूरत है। '

बीआरपीएल विश्व स्तरीय प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी लीग और पेशेवर कोचिंग के माध्यम से क्रिकेट प्रतिभाओं के पोषण के लिए समर्पित है, जिसका उद्देश्य खेल को उन्नत करना और अगली पीढ़ी के चैंपियनों को सशक्त बनाना है।

बीआरपीएल में 18 से 40 वर्ष की आयु के इच्छुक और अर्ध-पेशेवर क्रिकेटर भाग ले सकते हैं, और भारत के 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी इसमें शामिल हो सकते हैं।

बटरफ्लाई यूटीटी सीजन 7 नीलामी: मानव ठक्कर, मानुष शाह, दीया चितले पूल में लौटे; साथियान, मनिका बरकरार

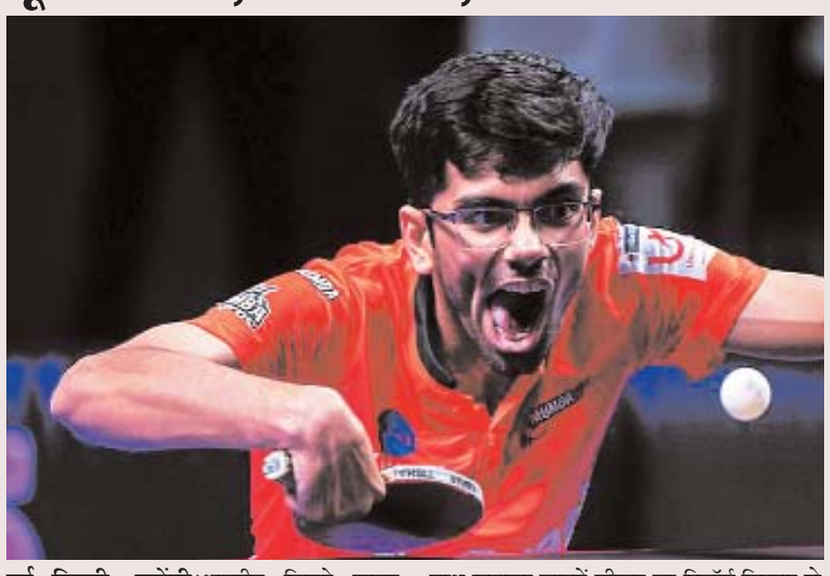

नई दिल्ली, एजेंसी।भारतीय सितारे मानव ठक्कर, मानुष शाह और दीया चिटाले बटरफ्लाई अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन 7 के खिलाड़ी पूल में प्रमुखता से शामिल हैं, वहीं टीम रिटेंशन के तहत दिग्गज खिलाड़ी साथियान ज्ञानसेकरन और मनिका बत्रा को नीलामी से पहले बरकरार रखा गया है।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, एक्शन से भरपूर सीजन 7 का आयोजन 9 जुलाई से 26 जुलाई तक गोवा के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी इंडोर स्टेडियम में होगा और इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर और लाइवस्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा।

आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों के समूह में स्थापित भारतीय नामों, उभरती प्रतिभाओं और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पैडलर्स का एक मजबूत मिश्रण है, और फ्रेंचाइजी 28 अप्रैल को मुंबई के सहारा स्टार में होने वाली नीलामी में अपनी टीमों को अंतिम रूप देने के लिए तैयार हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण एक साल के अंतराल के बाद ठक्कर और शाह नीलामी में वापसी कर रहे हैं, यह जोड़ी वर्तमान में पुरुष युगल में विश्व नंबर 5 पर है और अंतर्राष्ट्रीय सर्किट में नियमित रूप से मौजूद रहती है।

शाह मिश्रित युगल में चिताले के साथ जोड़ी बनाती हैं, और यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर है और डब्ल्यूटीटी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुकी है।

पिछले सीजन की नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी रहे चिताले, दबंग दिल्ली टीटीसी द्वारा साथियान को बरकरार रखने के बाद लीग में वापसी कर रहे हैं, जिससे उनका फ्रेंचाइजी के साथ लगातार सातवें सीजन का रिकॉर्ड विस्तार हो गया है। वहीं, बत्रा चोट के कारण पिछले सीजन में हिस्सा नहीं ले पाए थे, लेकिन अहमदाबाद एपीएल पाइपर्स द्वारा उन्हें बरकरार रखा गया है और वे लीग में वापसी कर रहे हैं।

नीलामी से पहले, टीमों ने अपने खिलाड़ियों को बरकरार रखने के विकल्प का भी इस्तेमाल किया है। बत्रा और ज्ञानसेकरन के साथ-साथ अंकुर भट्टाचार्जी और युगल विशेषज्ञ आकाश पाल को क्रमशः कोलकाता थंडरब्लैड्स और यू मुंबई टीटी ने बरकरार रखा है। डेम्पो गोवा चैलेंजर्स और पीबीजी पुणे जगुआर्स ने अपने खिलाड़ियों को बरकरार रखने का विकल्प नहीं चुना और वे नवगठित यूपी प्रोमेथियंस के साथ पूरी राशि के साथ नीलामी में भाग लेंगे।

टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी द्वारा संचालित फ्रेंचाइजी-आधारित लीग में एक बार फिर नीलामी प्रणाली के माध्यम से टीमों का चयन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 1 करोड़ टोकन की राशि आवंटित की जाएगी।

यह नीलामी एक संरचित प्रारूप का पालन करेगी जिसमें चार श्रेणियों - 20 लाख रुपये, 12 लाख रुपये, 7 लाख रुपये और 3 लाख रुपये के टोकन - में संशोधित आधार मूल्य होंगे और बोली वृद्धि 20,000 टोकन पर निर्धारित की जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय नामों में, वेल्श पैडलर अन्ना हर्सी अगर चुनी जाती हैं तो बटरफ्लाई यूटीटी में खेलने वाली अपने देश की पहली खिलाड़ी बन सकती हैं, जबकि फ्रांस की प्रथिका पावडे महिला वर्ग में और अधिक मजबूती प्रदान करती हैं।

इस आईपीएल में अब तक की मेरी सर्वश्रेष्ठ पारी: आरसीबी के देवदत्त पडिक्कल

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ अपनी पारी को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बताया, साथ ही विराट कोहली की बेजोड़ तीव्रता और टीम पर उनके प्रभाव की भी जमकर प्रशंसा की।

जीटी पर आरसीबी की आसान जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, पडिक्कल ने एक महत्वपूर्ण पहलू पर प्रकाश डाला जिसने उनकी पारी को खास बनाया - छक्के मारने की उनकी क्षमता।

'मेरे लिए सबसे बड़ी उपलब्धि छक्कों की संख्या है... मैंने छह छक्के मारे, जो मेरे लिए आम बात नहीं है,' पडिक्कल ने कहा। 'इसलिए छह छक्के मार पाना वाकई खास था,' उन्होंने आगे कहा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने इस पारी को टूर्नामेंट में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बताया। उन्होंने कहा, 'शायद आईपीएल में अब तक की यह मेरी सबसे अच्छी पारी थी। '

पडिक्कल ने विराट कोहली के साथ मैदान साझा करने के प्रभाव के बारे में भी बात की, और वरिष्ठ बल्लेबाज की उपलब्धियों के बावजूद उनकी अथक कार्यशैली और जुनून को रेखांकित किया।

'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात उनकी ऊर्जा और जोश है... हर मैच में, हर नेट सेशन में,' पडिक्कल ने कहा, और साथ ही यह भी जोड़ा कि कोहली की प्रतिबद्धता अटूट बनी हुई है।

उन्होंने कहा, 'हालांकि उन्होंने सब कुछ हासिल कर लिया है... फिर भी वह हर अभ्यास सत्र और हर मैच में अपना 100% देते रहते हैं,' उन्होंने इस तरह के समर्पण को उच्चतम स्तर पर दुर्लभ बताया।

पडिक्कल ने कहा कि कोहली के जोश और जुनून का असर पूरी टीम पर पड़ता है। उन्होंने कहा, 'जब आप किसी को इतना प्रेरित देखते हैं... तो उसका असर टीम के हर खिलाड़ी पर पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा कि कोहली की ऊर्जा पूरी टीम को ऊपर उठाने में मदद कर रही है।

206 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, आरसीबी को शुरुआती झटके लगे जब जीटी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने आरसीबी के सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल को जल्दी आउट कर दिया, जिससे आरसीबी का स्कोर 3 ओवर में 26/1 हो गया। हालांकि, आरसीबी के बाकी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। विराट कोहली ने 44 गेंदों में 81 रन बनाकर क्लासिक अर्धशतक के साथ अच्छी शुरुआत की, जबकि देवदत्त पडिक्कल (27 गेंदों में 55 रन) ने बेहतरीन सहयोग दिया।

दोनों खिलाड़ियों ने स्कोरबोर्ड को लगातार चालू

रखा और यह सुनिश्चित किया कि आवश्यक रन रेट कभी भी नियंत्रण से बाहर न हो जाए। उन्होंने मिलकर मात्र 59 गेंदों में 115 रनों की साझेदारी की।

कोहली और पडिक्कल के जल्दी-जल्दी आउट होने के बाद, बीच के ओवरों में मैच और भी कड़ा हो गया जब राशिद खान और मानव सुथार ने महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिससे आरसीबी 16 ओवरों के बाद 175/5 पर पहुंच गई।

आरसीबी को लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ाहट का सामना करना पड़ा जब रजत पाटीदार (8) और जितेश शर्मा (10) ने विकेट गंवा दिए। अंतिम चार ओवरों में 31 रनों की जरूरत थी, दबाव बढ़ गया था, लेकिन क्रुणाल पांड्या (12 गेंदों पर नाबाद 23 रन) घरेलू टीम के हीरो बनकर उभरे।

क्रुणाल ने जीटी के गेंदबाजों पर हमला बोला। उन्होंने 18वें ओवर में 15 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, वहीं टिम डेविड ने नौ गेंदों में नाबाद 10 रन बनाकर योगदान दिया।

19वें ओवर में क्रुणाल ने जेसन होल्डर की शॉर्ट बॉल को डीप स्क्वायर लेग क्षेत्र में पुल करके एक रन लेकर मैच खत्म किया। इस जीत के साथ आरसीबी ने 18.5 ओवर में 206/5 का स्कोर बनाया और दो महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए आईपीएल 2026 अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। आरसीबी के अब सात मैचों में पांच जीत और दो हार के साथ 10 अंक हैं।

कमिश्नर ने किया गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण, लापरवाही पर प्रबंधक को नोटिस के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा संभाग के सभी जिलों में 15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य जारी है। इसी क्रम में संभागायुक्त बी.एस. जामोद ने कृषि उपज मंडी करहिया अंतर्गत इटहा एवं खैरा गेहूं खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। कमिश्नर ने खरीदी केंद्रों में छाया पेयजल एवं बैठने की व्यवस्था का जायजा लेते हुए निर्देश दिए कि भीषण गर्मी को देखते हुए किसानों के लिए पर्याप्त छाया, शीतल पेयजल एवं बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने

कहा कि इसके लिए उपयुक्त स्थल का चयन किया जाए जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने अपने समक्ष गेहूं की बोरियों का तौल भी करवाया तथा निर्देश दिए कि तौल प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का विशेष रूप से पालन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। खैरा खरीदी केंद्र में व्यवस्थाओं में कमी पाए जाने पर कमिश्नर ने प्रभारी समिति प्रबंधक दयाशंकर शुक्ल को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी नोडल अधिकारियों को खरीदी केंद्रों पर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने की हिदायत दी। कमिश्नर ने किसानों से अपील की कि वे अपनी उपज को केंद्र पर लाने से पहले उसे अच्छी तरह साफ करें और उसमें नमी न रहे इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि मानकों के अनुरूप गुणवत्तायुक्त गेहूं आने पर खरीदी प्रक्रिया में तेजी आएगी।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मॉइश्चर मीटर से गेहूं की गुणवत्ता की जांच भी कराई तथा तौल कांटों के भौतिक सत्यापन की जानकारी ली उन्होंने सभी केंद्रों पर पर्याप्त तौल कांटे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बारदानों में सीलिंग, डबल स्टिच पैकिंग तथा पर्याप्त बारदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि परिवहन के दौरान किसी प्रकार की समस्या न हो। कमिश्नर ने कहा कि उपार्जित गेहूं का त्वरित परिवहन एवं उठाव सुनिश्चित किया जाए तथा भंडारण व्यवस्था भी सुव्यवस्थित हो। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी सहित उपार्जन से संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राकेश टिकैत के रीवा आगमन को लेकर किसान यूनियन की अहम बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के प्रस्तावित रीवा आगमन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आज 26 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे किसान कार्यालय, जिला कलेक्ट्रेट के पास एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में उनके आगमन की रूपरेखा, कार्यक्रम की तैयारियों एवं किसानों से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कार्यक्रम के माध्यम से किसानों की समस्याओं और उनके हितों से जुड़ी बातों को प्रभावी ढंग से सामने रखा जा सके। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के रीवा जिलाध्यक्ष सगरीव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में जिला, ब्लॉक एवं

तहसील स्तर के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समय पर बैठक में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राकेश टिकैत के आगमन को लेकर किसानों में उत्साह है और यह कार्यक्रम संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों की आवाज को और मजबूती देगा। बैठक में कार्यक्रम की रणनीति, किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा आगामी आंदोलनों की दिशा पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

पुण्यतिथि पर स्व. डी.पी. सिंह को श्रद्धांजलि, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्वर्गीय डी.पी. सिंह (दाऊ साहब) की पुण्यतिथि के अवसर पर रीवा जिले के बरौं क्षेत्र में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा समाजसेवी रोहित सिंह बघेल (बरौं) के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रवीण त्रिपाठी, बी.ओ. सिरमौर एस.के. त्रिपाठी, विनय सिंह, उमेश सिंह, अतुल त्रिपाठी, अनमोल मिश्रा, ज्ञानेंद्र तिवारी एवं अजय पटेल (पूर्व सरपंच) सहित कई गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा स्वर्गीय डी.पी. सिंह की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके पश्चात मेधावी छात्र-छात्राओं को मंच पर आमंत्रित कर उन्हें उपहार गमछा एवं प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के कई प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं शामिल रहे जिन्होंने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को भी उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि राजमणि पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और ऐसे सम्मान कार्यक्रम विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करते रहने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन न केवल प्रतिभाओं को पहचान दिलाते हैं बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण भी तैयार करते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, युवा, बुजुर्ग एवं हायर सेकेंडरी स्कूल बरौं के शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ऋषभ सिंह, मनीष रावत, ऋषि सिंह, दिलराज पटेल सहित कई लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह और आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

भजन गायक भुवनेश नैथानी का हिन्दू धर्म परिषद करेगी सम्मान, गोड़हर में भव्य भजन संध्या

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर के गोड़हर क्षेत्र स्थित साई मंदिर में लेडवानी परिवार द्वारा आयोजित भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक भुवनेश नैथानी का पहली बार नगर आगमन हो रहा है। उनकी विशेष धार्मिक प्रस्तुतियों और आध्यात्मिक वातावरण निर्माण के लिए हिन्दू धर्म परिषद द्वारा उनका सार्वजनिक सम्मान एवं अभिनंदन किया जाएगा। यह सम्मान समारोह 26 अप्रैल को भजन संध्या कार्यक्रम के दौरान आयोजित किया जाएगा। हिन्दू धर्म परिषद के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि भुवनेश नैथानी की धार्मिक उपलब्धियों को देखते हुए यह सम्मान दिया जा रहा है। इस अवसर पर परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा, संयोजक सुमित माँजवानी, सहसंयोजक उमेश कुशवाहा, संरक्षक विजय मोहन तिवारी, अवधेश वास्तव एवं जगन्नाथ साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। परिषद ने सभी सदस्यों से शाम 6:30 बजे कार्यक्रम में उपस्थित होकर भजन संध्या एवं भंडारे का लाभ लेने की अपील की है। इसी क्रम में हिन्दू धर्म परिषद द्वारा आगामी धार्मिक आयोजनों की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, आगामी 17 मई से प्रारंभ होने वाले पुरुषोत्तम मास के दौरान विंध्य क्षेत्र में कई बड़े धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। गंगा दशहरा के अवसर पर 26 मई को बीहर नदी के बाबाघाट पर दीपदान, महाआरती एवं भजन संध्या का भव्य आयोजन प्रस्तावित है। परिषद के अनुसार यह आयोजन वाराणसी और हरिद्वार की तर्ज पर धार्मिक वातावरण को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। संस्थापक नारायण डिगवानी एवं अध्यक्ष ऋषिशंकर मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में नगर की विभिन्न धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाएगा, जिससे गंगा दशहरा को और अधिक भव्य स्वरूप दिया जा सके।

गोविंदगढ़ के जंगलों में लगी आग ,बुझाने में वन विभाग के छूट रहे पसीने

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के गोविंदगढ़ क्षेत्र स्थित छुहिया घाटी और विंध्य पर्वत श्रृंखला के जंगलों में आग लगने का मामला सामने आया है। वन विभाग, नगर परिषद की फायर ब्रिगेड और स्थानीय समाजसेवियों की मदद से फिलहाल आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। डीएफओ के अनुसार एक दिन पहले आग बुझा दी गई थी लेकिन यह दोबारा भड़क गई जिसके पीछे मानवीय लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। वर्तमान में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और वन विभाग की टीम दोबारा आग लगने से रोकने के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है। दुर्गम रास्तों और हवा से हुई परेशानी शिकारघा पहाड़ी सुरक्षित। जानकारी के अनुसार आग धीरे-धीरे जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में फैल रही थी। सूचना मिलने पर आग पर काबू पाने के लिए स्थानीय समाजसेवी पीयूष त्रिपाठी और राहुल शर्मा के साथ गोविंदगढ़ नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची और लगातार प्रयास शुरू किए। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और तेज हवा के कारण शुरुआती समय में राहत कार्यों में दिक्कतें आईं। हालांकि टीम ने शिकारघा पहाड़ी के पास के एक हिस्से को सुरक्षित करने में सफलता हासिल कर ली। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी आग पर नियंत्रण के प्रयास जारी रखे गए। वनाग्नि के कारण काफी समय तक जंगल से धुआं निकलता रहा। इस धुएं के फैलने से आसपास के क्षेत्रों की वायु गुणवत्ता पर असर पड़ने की आशंका जताई गई थी। हालांकि राहत की बात यह रही कि स्थानीय स्तर पर किसी भी तरह के बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है और प्रशासन द्वारा वर्तमान स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जल संकट से जूझते तराई क्षेत्र के गांव, पीएचई विभाग पर लापरवाही के आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा जनपद पंचायत क्षेत्र के तराई अंचल में गंभीर जल संकट ने हालात बिगाड़ दिए हैं। ग्राम पंचायत जोन्हा सहित आसपास के दर्जनों गांवों में सैकड़ों हैंडपंप खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर लोग नदी-नालों का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं जिससे स्वास्थ्य संकट की आशंका भी बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि इटमा, भड़रा, रौली, पटेहरा, लूक, पुरैना, गाढ़ 137-138, भंनिगवा, नगमा, जवा, बरौली ठकुरान, डगड़ैया, रामबाग, पतेरी, रिमारी सहित अनेक ग्राम पंचायतों में हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं। अकेले ग्राम पंचायत जोन्हा में ही 15 हैंडपंप बंद अवस्था में हैं। ग्राम पंचायत जोन्हा के सरपंच धनेंद्र द्विवेदी ने इस गंभीर समस्या को लेकर जिला कलेक्टर को पत्र लिखते

हुए तत्काल मरम्मत की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएचई विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं और फोन तक रिसीव नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी रीवा में बैठकर केवल औपचारिकता निभा रहे हैं जबकि जमीनी स्तर पर जनता पानी के लिए परेशान है। सरपंच ने आरोप लगाया कि जनपद क्षेत्र में नल-जल योजनाएं भी प्रभावी रूप से संचालित नहीं हो रही हैं जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सुधार कार्य नहीं किया गया तो स्थिति और भयावह हो सकती है। धनेंद्र द्विवेदी ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर खराब हैंडपंपों की मरम्मत नहीं की गई तो जनपद पंचायत के सरपंच साथी और ग्रामीण मिलकर कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रीवा के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे उन्होंने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

महिला आरक्षण बिल पर सियासी संग्राम तेज, कांग्रेस ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की राजनीति में भाजपा और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी जारी है। जहां भाजपा विपक्ष पर बिल का समर्थन न करने का आरोप लगा रही है वहीं कांग्रेस ने इसे लेकर सरकार की नीयत पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता एवं कांग्रेस पिछड़ा वर्ग राष्ट्रीय समन्वयक कुँवर सिंह पटेल ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महिला आरक्षण बिल के नाम पर जनता को भ्रमित किया जा रहा है और इसके पीछे परिसीमन लागू करने की मंशा छिपी हुई थी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में महिला सशक्तिकरण के प्रति गंभीर है तो देश के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि 33 प्रतिशत आरक्षण की बात करने से पहले सत्ता के शीर्ष पदों पर महिलाओं की वास्तविक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कुँवर सिंह पटेल ने आरोप लगाया कि देश की 543 लोकसभा सीटों में से 250 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने की हिम्मत सरकार को दिखानी चाहिए न कि केवल राजनीतिक बयानबाजी की जाए। उन्होंने कहा कि 20 सितंबर 2023 को लोकसभा में 454 मतों से और 21 सितंबर 2023 को राज्यसभा में सर्वसम्मति से पारित होकर यह विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम बना था जिसे 28

सितंबर 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल चुकी है। इसके बावजूद कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि सरकार इस बिल के माध्यम से परिसीमन जैसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही थी जिससे संविधान संशोधन के जरिए सत्ता केंद्रित की जा सके। उन्होंने कहा कि इसी कारण 400 पार का नारा दिया गया था लेकिन जनता और विपक्ष ने इस मंशा को समझ लिया। उन्होंने आरएसएस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि संगठन के इतिहास में आज तक किसी महिला को प्रमुख पद नहीं दिया गया है और न ही एससी, एसटी या ओबीसी वर्ग से किसी को शीर्ष नेतृत्व में जगह मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विचारधारा महिलाओं की भागीदारी के प्रति उदासीन रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण का समर्थन करती है लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इसमें ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग की महिलाओं को भी न्यायपूर्ण भागीदारी मिले। उन्होंने कहा कि महिलाएं केवल घर की सीमाओं तक सीमित न रहें बल्कि संसद और नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बंदियों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन, 603 बंदियों का हुआ नि :शुल्क परीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उच्च न्यायालय जबलपुर, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय मुख्यपीठ जबलपुर के क्षेत्राधिकार में आने वाली जेलों में निरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु वृहद मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर का शुभारंभ माननीय मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश एवं संरक्षक मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर संजीव सचदेवा द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया गया। शिविर के दौरान न्यायाधीश विवेक अग्रवाल, अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति ने बंदियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के नियमित परीक्षण पर विशेष जोर दिया। केंद्रीय कारागार रीवा में यह शिविर विशेष न्यायाधीश संदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा के सचिव समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शिविर में मेडिकल कॉलेज रीवा के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम तैनात रही जिसमें मेडिसिन, सर्जरी, अस्थि रोग, मानसिक रोग, ईएनटी, नेत्र रोग, स्त्री रोग एवं बाल रोग विभाग के विशेषज्ञ शामिल थे। चिकित्सकों द्वारा कुल 603 बंदियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकता अनुसार उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान जेल प्रशासन एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों की उपस्थिति में स्वास्थ्य जागरूकता पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर केंद्रीय कारागार के जेल अधीक्षक सतीश उपाध्याय, जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्र, उप जेल अधीक्षक संजीव गेंदले एवं श्याम सिंह कुशवाहा, एल.एण्ड डी.सी.एस. के चीफ सुरेन्द्र सिंह, डिप्टी चीफ आनंद पाण्डेय सहित पैरालीगल वॉलियंटर्स एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर चाकघाट व्यापार मंडल ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चाकघाट नेशनल हाईवे-30 स्थित मंत्री चौराहा एवं बघेड़ी चौराहा पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। हादसों पर रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा ठोस कदम न उठाए जाने से क्षेत्रीय लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। इसी मुद्दे को लेकर चाकघाट व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने त्योंथर पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की। व्यापार मंडल ने मांग की है कि दुर्घटना संभावित दोनों चौराहों पर शीघ्र

स्पीड ब्रेकर संकेतक बोर्ड एवं अन्य यातायात सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। व्यापारियों ने बताया कि उक्त चौराहों के आसपास बाजार, विद्यालय और कॉलेज स्थित होने के कारण दिनभर भारी ट्रैफिक दबाव बना रहता है। इससे दुर्घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। हाल ही में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत ने स्थिति की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि जल्द ही प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की। एसडीएम संजय जैन ने ज्ञापन प्राप्त करते हुए मामले को गंभीरता से लेने का आश्वासन दिया और कहा कि संबंधित विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे ताकि भविष्य में सड़क हादसों को रोका जा सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।